राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 15.00 संख्या 31
नागराज और
अदृश्य हत्यारा
नागराज का एक
मैग्नेट स्टीकर
मुफ्त
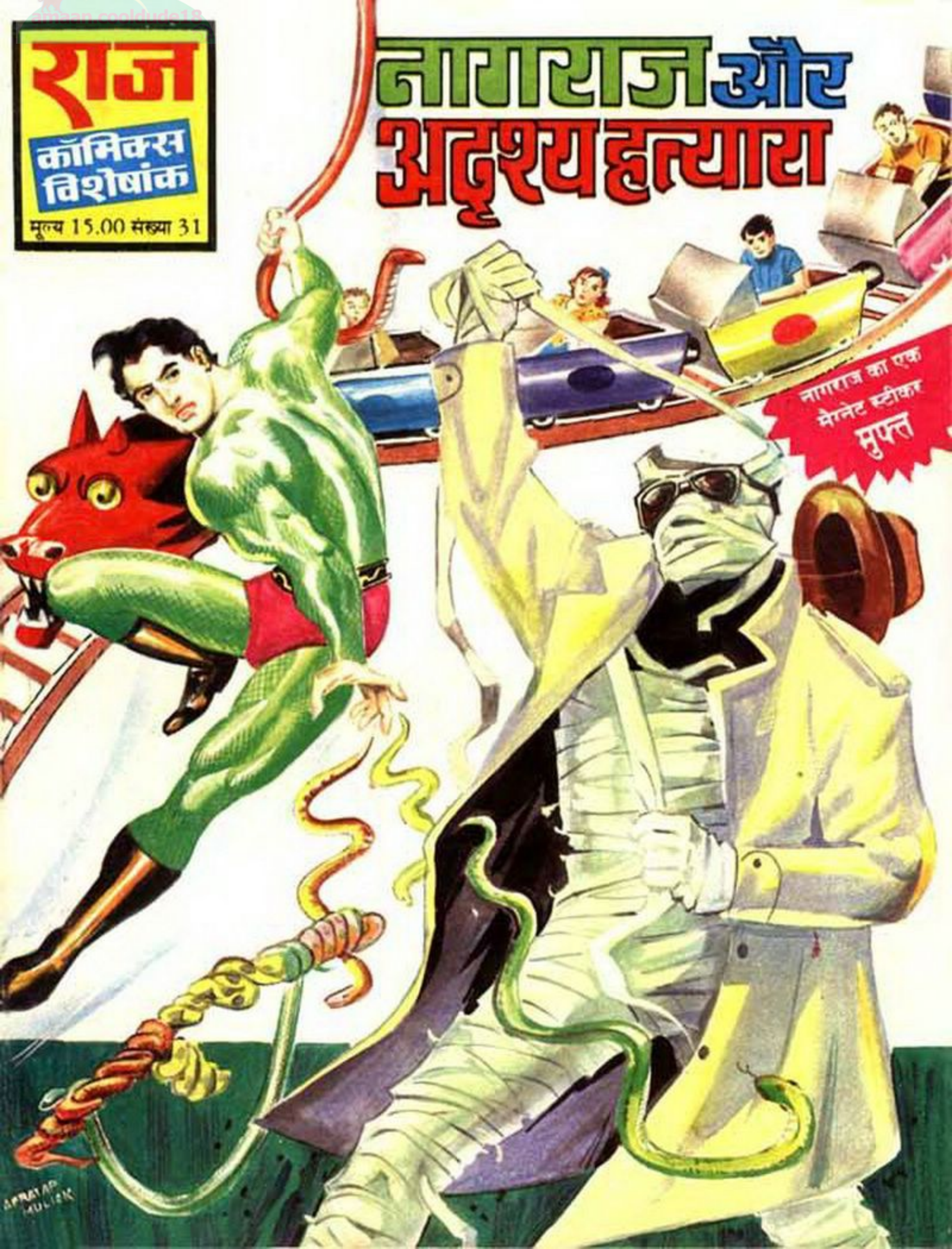
राज नगर स्थित स्टार लैब—
गुप्ता
ताप मुळीक
साळ और
चप्पे-चप्पे पर हथियार बन्द सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी इस चुगली खा रही है कि लैब में हो है, वह साधारण की श्रेणी में हीं आता
पता नहीं यार... सिर्फ इतना पता है कि अन्दर प्रोफेसर श्रीकांत वर्मा कोई ऐसा आविष्कार करने में व्यस्त हैं जो विज्ञान की दुनिया में तहलका मचा देगा...
केन क्या... क्या असाधारण हो रहा है लैब में?

••• क्या है वो आविष्कार और अभी पूरा हुआ या नहीं, ये प्रोफेसर वर्मा के सिवा कोई नहीं जानता।

और कोई जान भी नहीं पायेगा•••

तभी—

वहां पहुंचे फना हो गए

आने वालों का इरादा भांपने और वह शब्द चीखने में एक पल भी तो नहीं गंवाया उन्होंने—

फायर!

और ले उड़ेंगे उसका वह आविष्कार।

बुलैट प्रूफ पोशाकें हैं इनकी, राकेट दागो!
ये तो बड़ी बेइन्साफी है। एक वार तुमने किया, अब एक हमें भी करने दो।
फुलझड़ियां सी छूटीं टटोल के हाथों से—
और गार्डों के शरीर से छूटे खून के फव्वारे—
मटोल ने तो बारूद की तरह फोड़ डाले बहुतों के शरीर --
उड़ाते हुए चीथड़े ...
... और बिछाते हुए लाशें ...
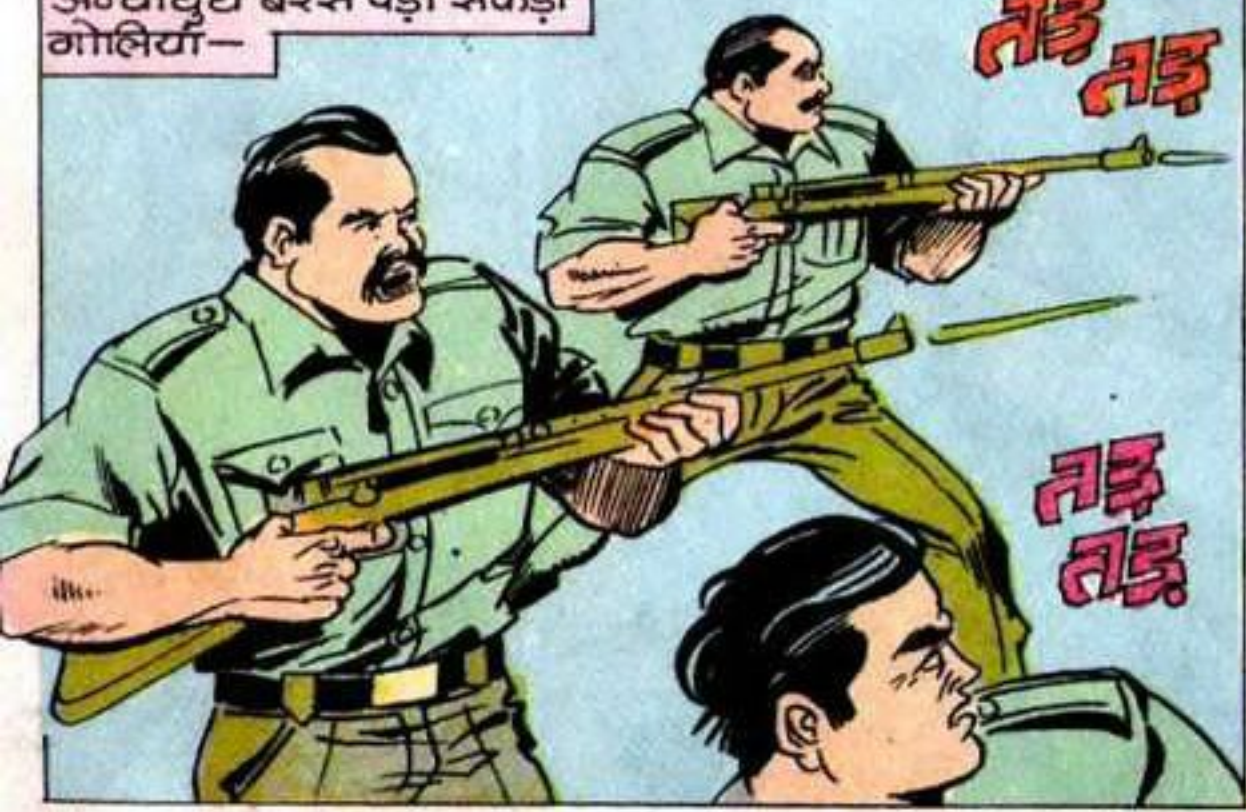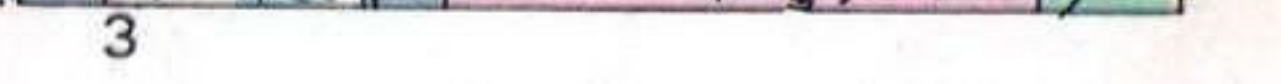
दोनों मदमस्त हाथी की भांति घुसते चले गये लैब में--
NO ENTRY
दरवाजा गिरने की आवाज पर चौंक उठा प्रोफेसर श्रीकांत वर्मा••• •••वह उछल पड़ा टटोल-मटोल को अपने सामने खड़ा देखकर--
भड़ाक
क-कौन तुम?••• क्या आये हो
मैं मटोल और ये टटोल!
लेने आये हैं हम यहाँ तुम्हारा आविष्कार। जिसे तुम अभी-अभी पूरा करके हटे हो।
इन्हें मेरे आविष्कार के बारे में कैसे पता चला मैंने तो रक्षामंत्री के सिव किसी को उसके बारे में कुछ बताया ही नहीं।

प्रोफेसर को विचारों के भंवर से निकाला टटोल ने --

हमें उम्मीद है तुम बेमौत मरने की जगह हमारी मांग मान लेने की अक्लमंदी दिखाओगे।

खौल उठा प्रोफेसर --

तुम्हारे नापाक इरादे कभी पूरे नहीं हो पायेंगे कमीनो...

ओह

मटोल पर हुआ एटामिक किरणों का भयानक असर...

उफ

...जिसे देखकर टटोल ने दिखाई बिजली सी फुर्ती--

...क्योंकि उससे पहले ही एटामिक किरणें तुम्हें राख बना देंगी।

ओफ्फ!

दूसरा मौका नहीं मिलेगा तेरी गन को खांसने का।...

गन हाथ से गिरी तो उछला प्रोफेसर--
तेरे लिए तो मेरे हाथ ही काफी हैं कमीने!
भड़ाक से प्रोफेसर पर हुआ टटोल का प्रहार--
भड़ाक
उआह?
खून उगलता दूर जा गिरा वह--
धड़ाम
बस प्रोफेसर, ये तेरी जीवनलीला का आखिरी सीन था। अब इस पर मौत का पर्दा डालता हूं मैं।
नट की भांति सुन्दर प्रदर्शन कर रहा था प्रोफेसर--
कड़ाक
अचानक चीख पड़ा वह हलक फाड़कर--
नहीं!
भड़ाक

अपनी वर्षों की मेहनत इस तरह बरबाद नहीं होने दूंगा मैं।

गोली सा सनसना कर...

...अपने आविष्कार से जा लिपटा वह—

??
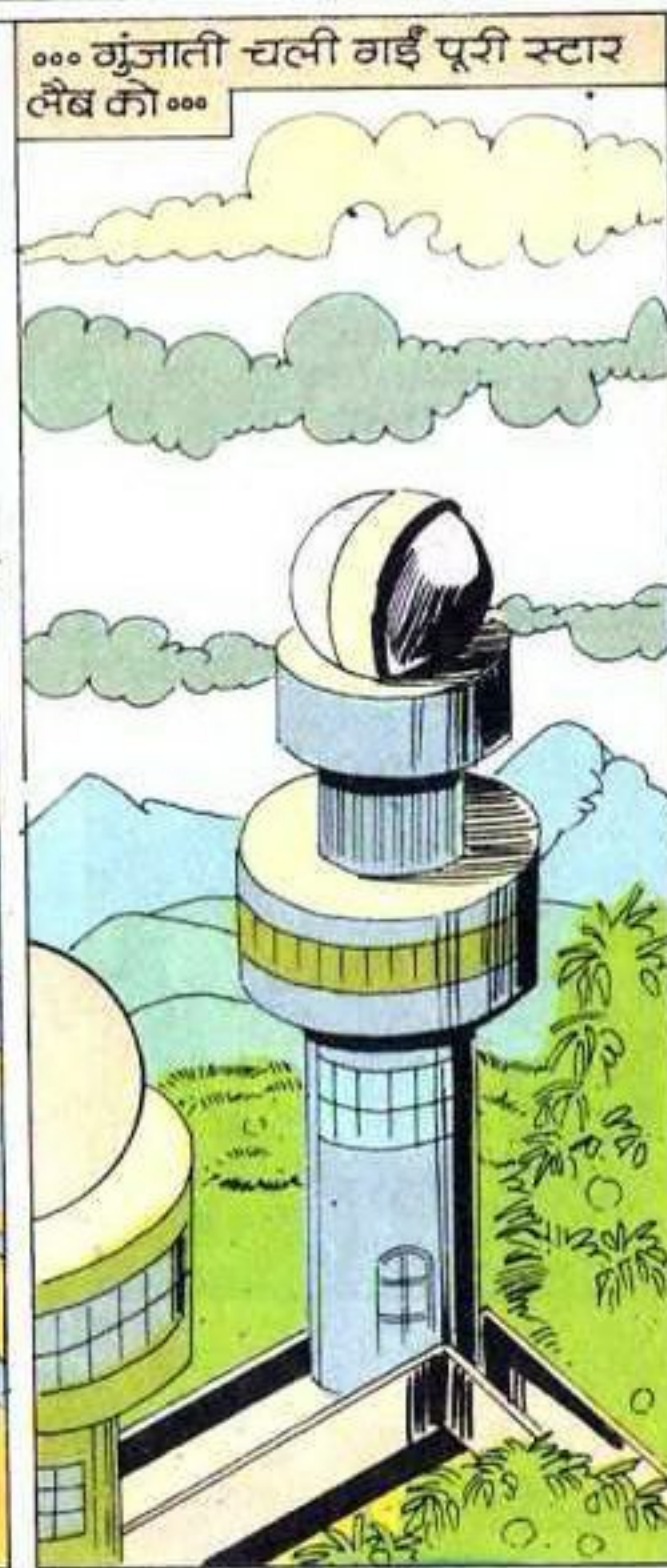
नागराज
मानवता का रक्षक।
अपराधियों का काल।
बच्चों का दोस्त।
••• कहां बढ़ा चला जा रहा था आज ?
अचानक चौंक पड़ा नागराज--
और -- चौंकता भी क्यों ना खतरे में जो थी बहुत सी जिन्दगियां --
ब्रेक फेल वह ट्रक उस भीड़ की तरफ बढ़ रहा है, जो अपनी तरफ बढ़ती उस मौत से बेखबर है।
लेकिन मेरे होते एक भी बेगुनाह को आंच भी आ जाये तो धिक्कार है मुझ पर।
और --
सांप की मानिन्द टैक्सी से सरसराया नागराज --
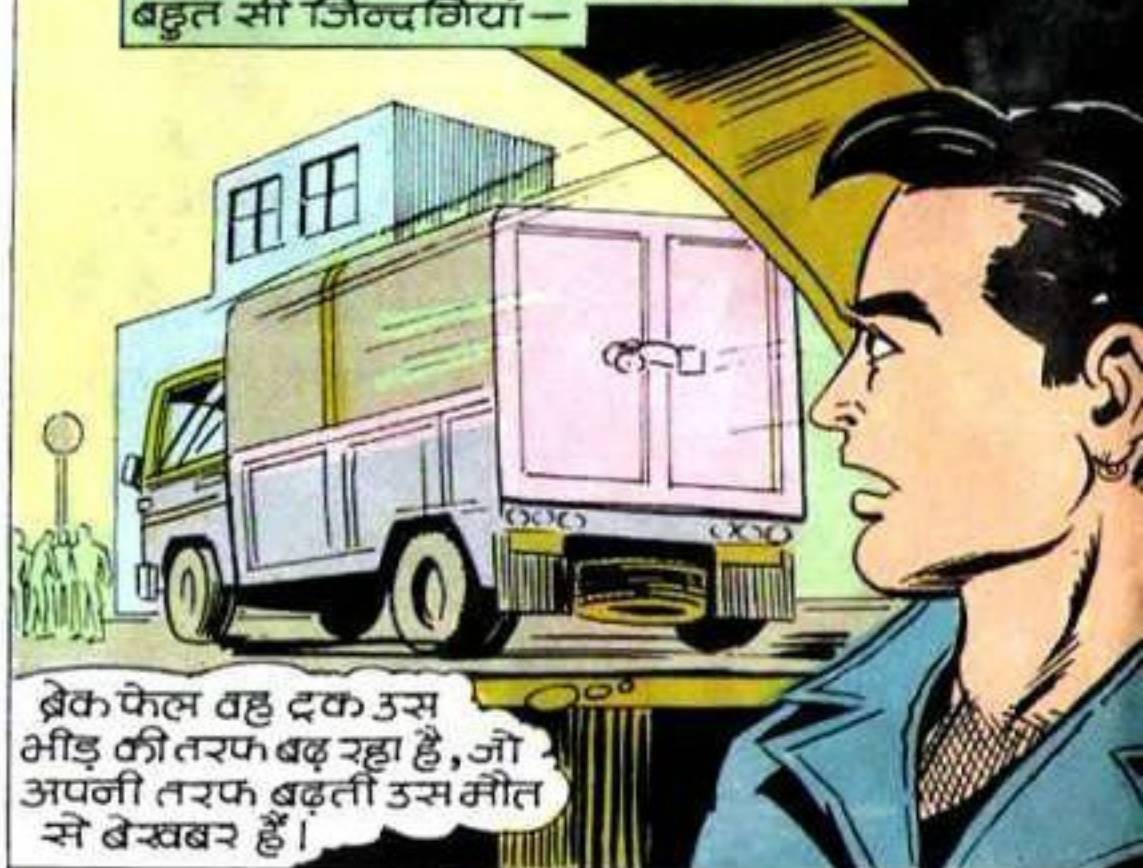
ठीक समय पर आ खड़ा हुआ मौत के सामने — नागराज के बाहुबल के आगे भला कब तक ठहर पाता वह मशीनी बल —
FASHION
शुक्र है ट्रक का इन्जन बन्द तो हुआ!
खुशी से उछल पड़े लोग --
हुर्रे! नागराज ने हमें बचा लिया!
NAGRAJ IS OUR REAL SUPER HERO!
जमा हो गए सभी नागराज के इर्दगिर्द —
नागराज! आटोग्राफ प्लीज!
आटोग्राफ!
अपने चाहने वालों से घिर गया था नागराज —
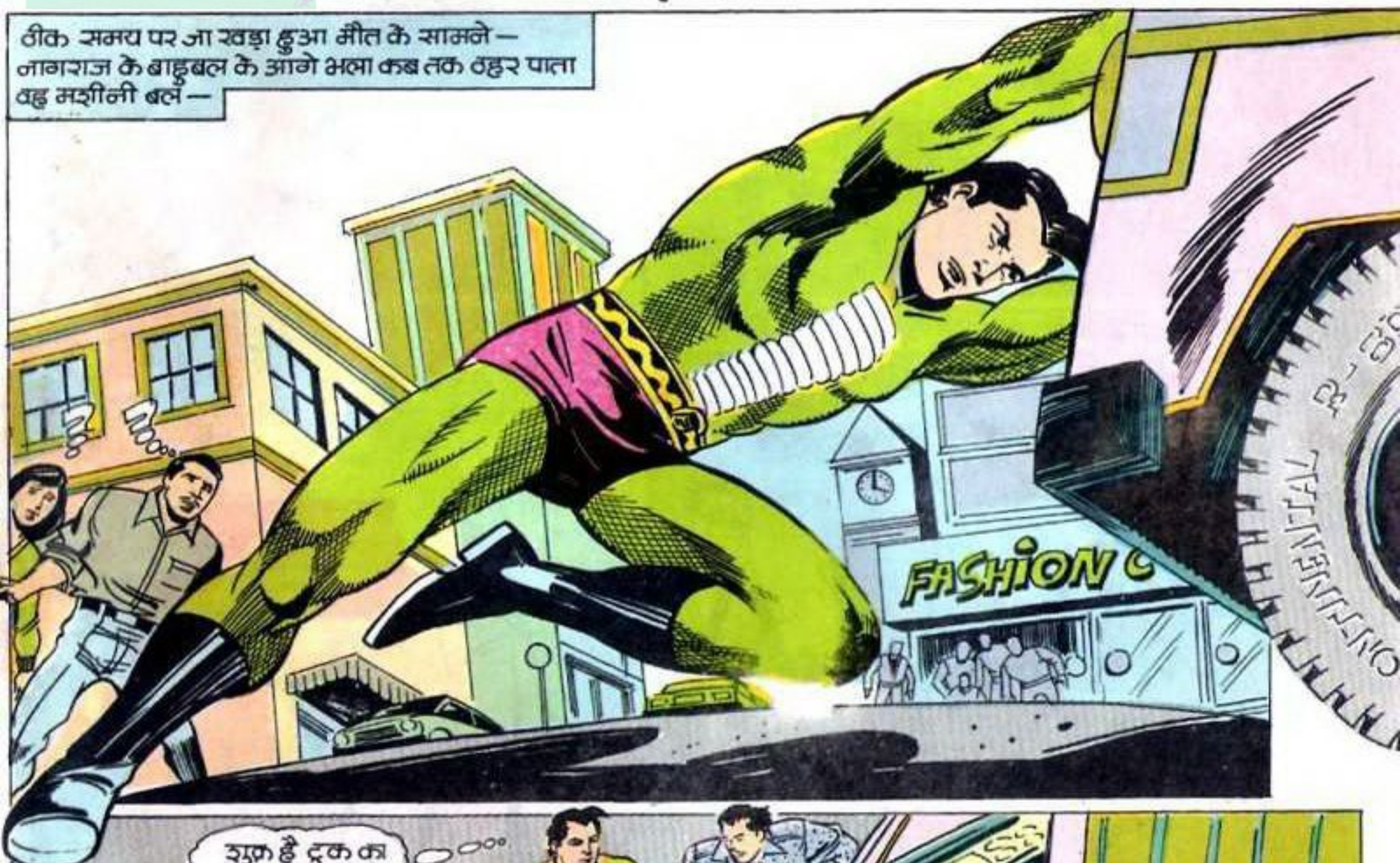
इधर एसेल वर्ल्ड में—
मंत्री महोदय ने एक अर्जेन्ट मिटिंग में जाना है। अब रिबन काटने में और देर नहीं कर सकते।
काश! नागराज भी आ गया होता।
ठ... ठीक है।
रक्षामंत्री धर्मेश तिवारी कमान्डोज से घिरे बढ़े मंच की तरफ—
जिन्हें देखकर नफरत से सुलग उठा था यह शख्स—
अपने पाप का दण्ड तुझे भुगतना ही होगा कमीने!
क्या निकाला था उसने अपने ओवरकोट के नीचे से—
तेरे बोझ को इस धरती से कम करके रहूंगा मैं आज।
उधर मंच पर खड़े मंत्रीजी ने रिबन काटने के लिए सम्भाली कैंची—
... और इधर इस शख्स ने सम्भाली जाने क्या चीज?
अगले पल--
छीक.. छीक..
उफ! निशाना चूक गया।
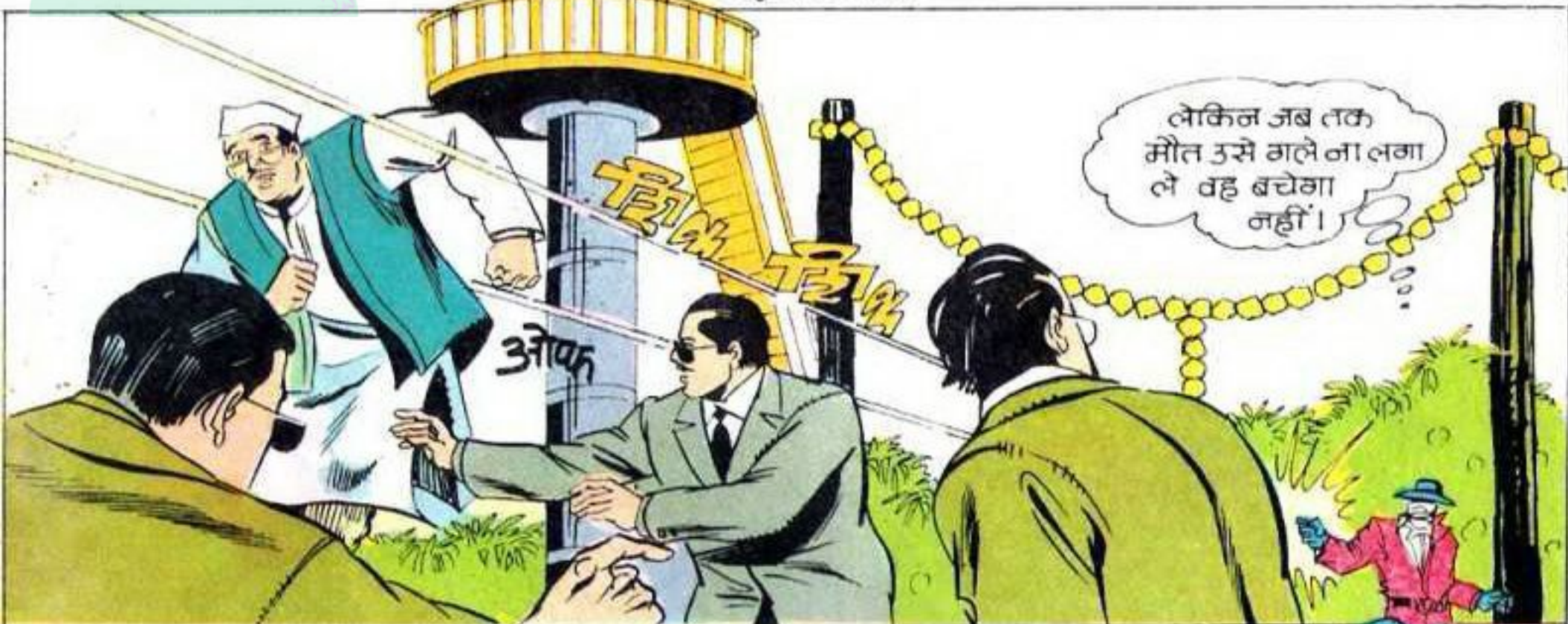
ढिश्क
ढिश्क
ओफ्फ
लेकिन जब तक मौत उसे गले ना लगा ले वह बचेगा नहीं।
सतर्क हो उठे कमाण्डोज़ —
वह आदमी मंत्री जी पर वार कर रहा है? एक्शन!
एक्शन में आये कमाण्डोज़...
...सामना न कर सके उस शख्स का जो चीते सा फुर्तीला था —
अपने उद्देश्य में तुम्हें टांग नहीं अड़ाने दूंगा मैं।
आतंक के साथ हैरानी भी नाच उठी मंत्री के चेहरे पर उसकी आवाज सुनकर —
...ये ..ये आवाज तो.. ये ... आवाज तो...?
...क्योंकि प्रलयदूत सा आ खड़ा हुआ था वह शख्स उसके सामने —
ठीक पहचाना तुमने कमीने, एकदम ठीक पहचाना।
त..तुम मुझे मारना क्यों चाहते हो?
और कुछ नहीं निकल पाया मंत्री के हलक से...
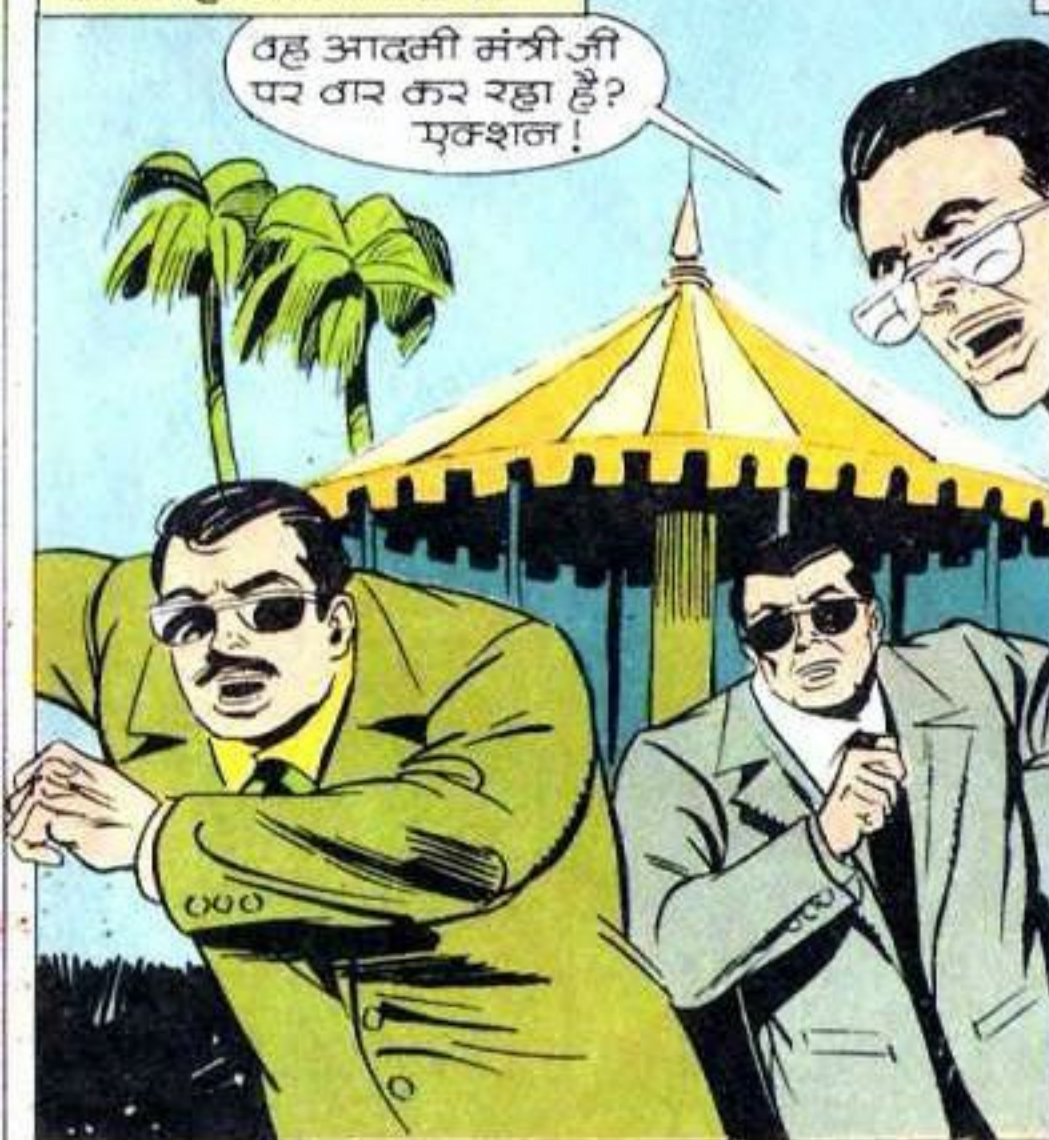
सब जानता है तू... फिर भी यमराज के पास जाकर पूछ लेना अपने गुनाह।
तभी—
यह कहीं नहीं जायेगा। हां, तुम जेल जरूर जाओगे! क्योंकि तुम्हें वहां पहुंचाने आ पहुंचा है...
नागराज
मेरा नाम और काम जानने के बाद भी अगर तुम अपना इरादा नहीं बदलोगे तो पछताना पड़ेगा तुम्हें।
बाज सा झपटा वह --
मेरे इरादे तुम नहीं बदल सकते नागराज!
पीड़ा नहीं हैरानी हुई नागराज को —
ऐसा लगा जैसे इसने मेरे पर लोहे की वस्तु मारी हो, लेकिन इसके हाथ में तो कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा। खाली हाथ है वह तो।

कुछ ना कुछ तो जरूर है उसके हाथ में। नागों से जकड़ जाये तो पता चल जायेगा।
WELCOME
नागराज के इशारे पर उसके शरीर से निकले सैकड़ों सर्प।
कमाल दिखाया उस शख्स के हाथ में थमें "कुछ" ने—
फिर ...
...एक बार फिर—
नागराज पर भी हुआ "कुछ" का वार—
TO GA

अपने आप को बचाने के चक्कर में ड्रेगन ट्रेन पर आ गिरा नागराज—
अगले पल—
तूफान सी भाग खड़ी हुई ड्रेगन ट्रेन—
जब तक तू अपना सफर खत्म करके वापस आयेगा नागराज! तब तक मैं अपना काम खत्म करके आ चुका होऊंगा।
ओह!
पलटा वह भय से जड़ हो चुके मंत्री की तरफ—
मर कमीने
इधर नागराज अपने परिचित अंदाज में लहराया ड्रेगन ट्रेन से—

और—
अब वह "कुछ" उसके हाथ में नहीं रह पायेगा।
"कुछ" को ले उड़े नागराज के सर्प—
ओह!
अब तुम नहीं बच पाओगे नागराज की नागसेना से।
तुम मुझे नहीं पकड़ सकते नागराज...
कभी...
...नहीं...
पकड़...
...सकते...

घोर आश्चर्य से फैलती चली गईं नागराज की आंखें—

इनविजिबल मैन अदृश्य आदमी!

हा-हा-हा

एक पल बाद ही जड़ से खड़े नागराज को सुनाई दी किसी इंजन के स्टार्ट होने की हल्की सी आवाज—

जो पल प्रति पल दूर होती चली गई—

आश्चर्य की दुनिया से नागराज को बाहर निकाला वहां पहुंची पुलिस फोर्स ने—

कहां गया वह हत्यारा? कहां गया?

नागराज ने बताया तो—

ऐ... ऐसा हो सकता है?

ऐसा ही हुआ है। लेकिन फिलहाल यह समय इस विषय में सोचने का नहीं...

...मंत्रीजी को अस्पताल पहुंचाने का है।
FISSEL WORLD
ICE CREAM
स्तब्ध रह गया था नागराज —
वह शख्स निर्मम हत्या कैसे कर सकता है?... और फिर वह इनविजिबल मैन में कैसे बदल गया?
अपनी अन्तिम बची सांसों का भरपूर उपयोग किया मंत्री ने--
म... मैं... बचूंगा... नहीं... नाग...राज...मैं ...तुम्हें...अपने... हत्यारे...के बारे... में...ब...ता...ना... चाहता हूं।
अपने हत्यारे के बारे में बताया नागराज को मंत्री ने... ...और त्याग दिये प्राण —
ओह!
ENTRY
इन सारे रहस्यों से पर्दा "उसके" घर पहुंचने के बाद ही उठ सकता है।
कौन था वो?...जिसके घर की तरफ चल पड़ा था नागराज।
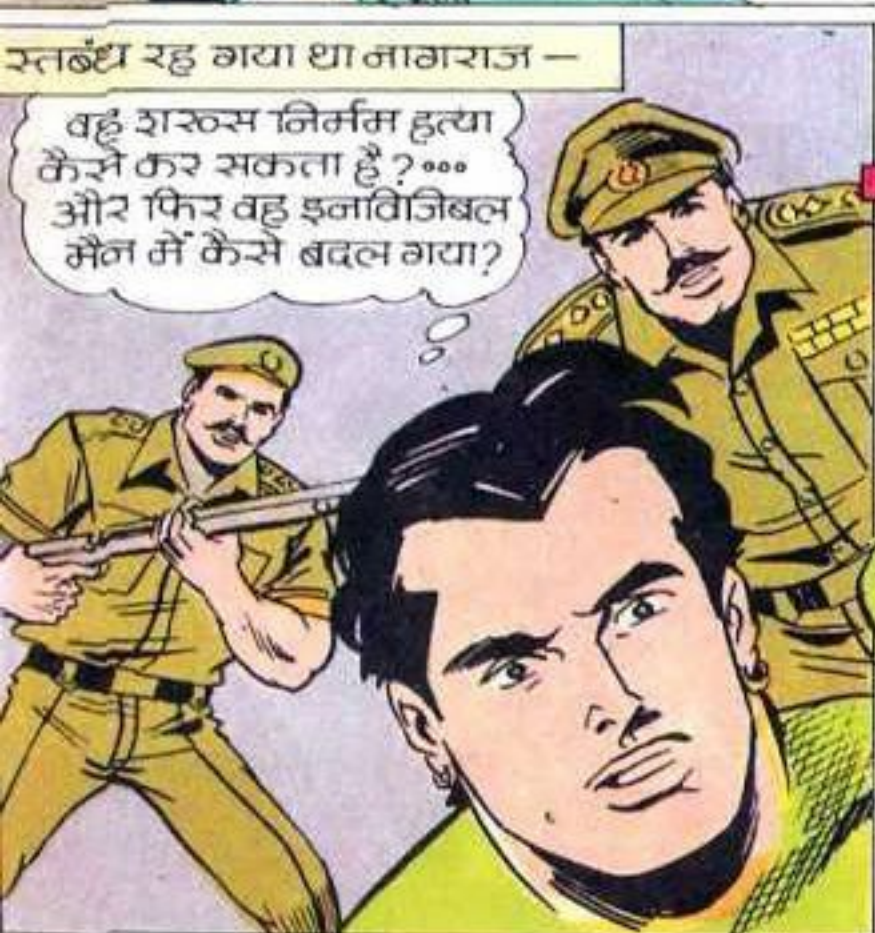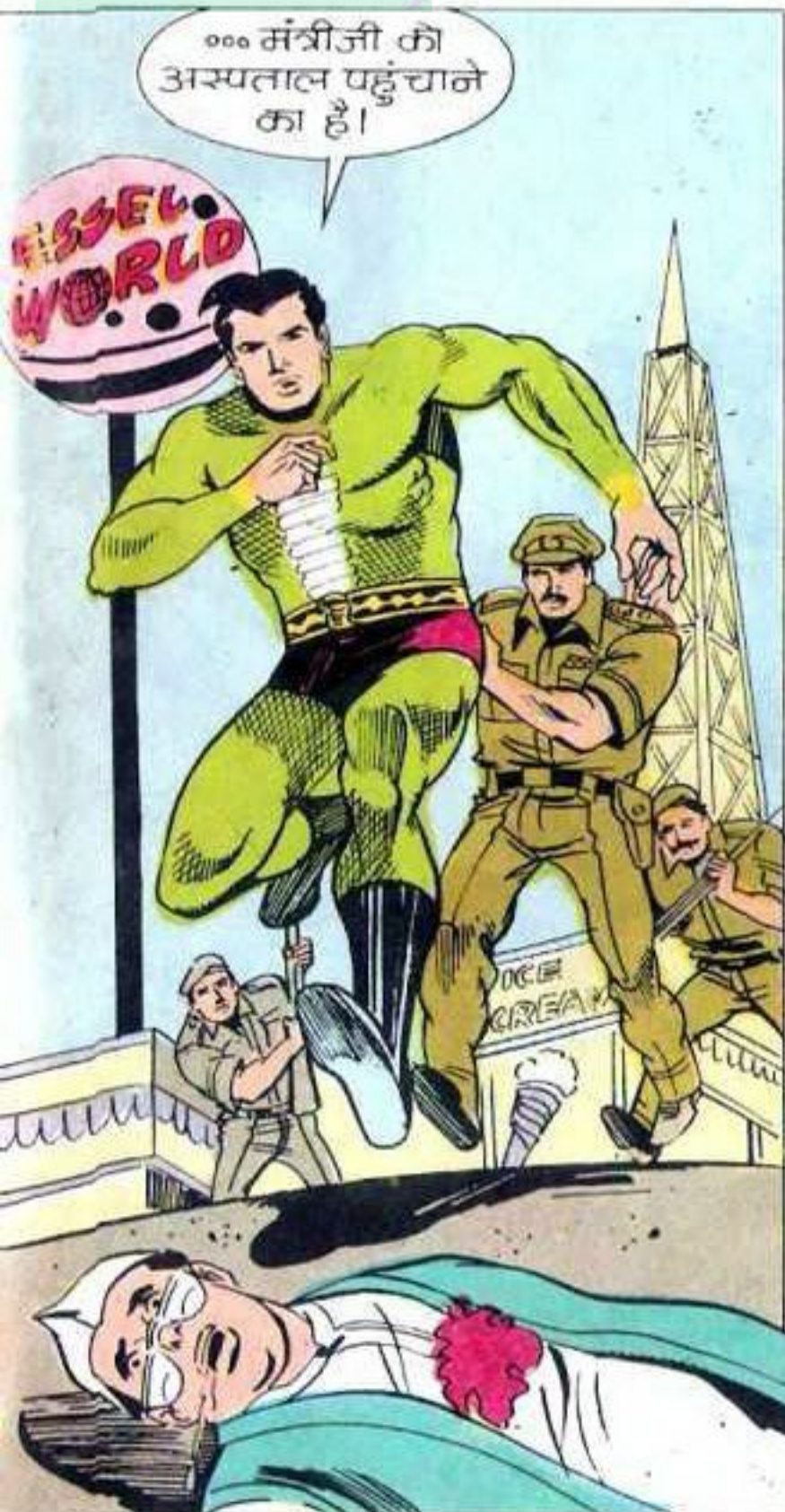
शहर की सबसे उंची इमारत शिकारो टावर पर घूमती "दुनिया"•••

••• असल में हैडक्वार्टर है W.O.K.F. का--

••• यानि वर्ल्ड आर्गेनाईजेशन आफ किलर फोर्स•••

•• यानि •••
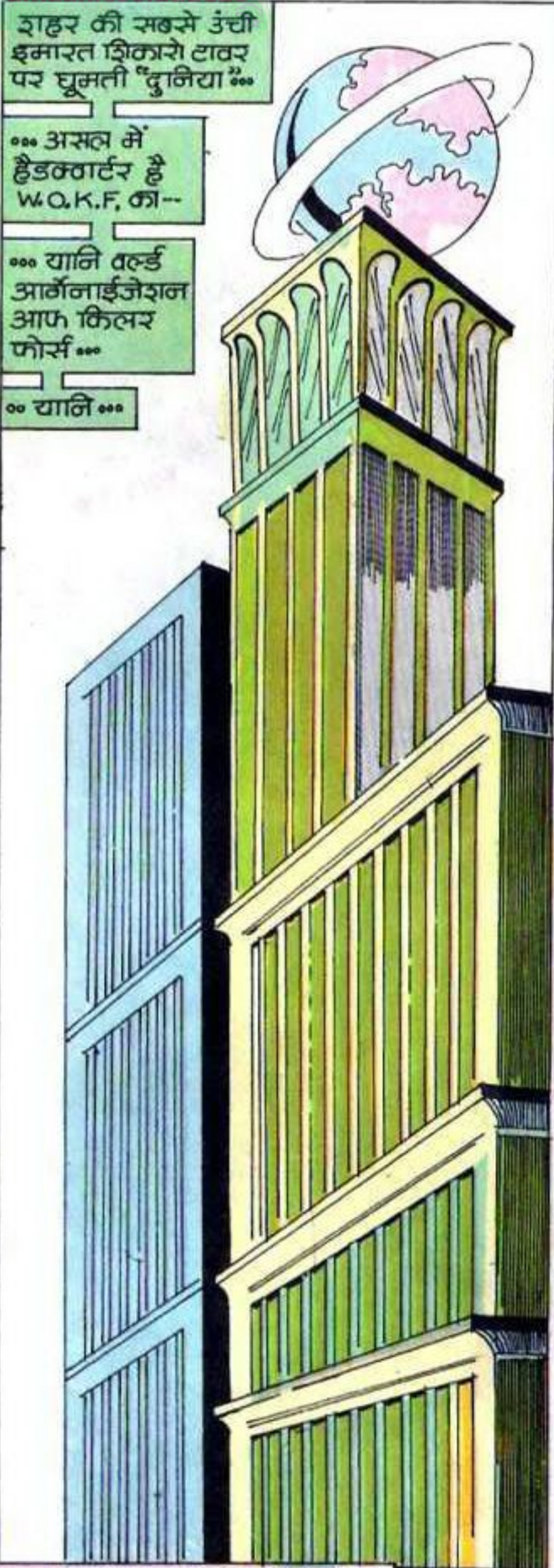
•• वह टेररिस्ट आर्गेनाईजेशन जिसके दुर्दांत हत्यारे पूरे विश्व में टिड्डी दल की तरह फैले हुए हैं•••

टटोल ने बताया अपने जिन्दा रहने का रहस्य जिसका एक-एक शब्द विस्फोट साबित हुआ किलर किंग के लिए —
क... क्या ये सच है टटोल?
ठीक ऐसा ही हुआ है किंग! मंत्री धर्मेश तिवारी से "सुपारी" लेकर आपने प्रोफेसर श्रीकांत के जिस आविष्कार को हमें लेने भेजा था वह साधारण नहीं....
..बल्कि अच्छे-खासे शख्स को इनविजिबल बना देने वाला आविष्कार था।
लेकिन मंत्री ने तो हमें इस बारे में बताया नहीं, फिर तुम्हें कैसे पता चला उस आविष्कार के बारे में?
मैंने उस आविष्कार की बदौलत प्रोफेसर को अपनी आँखों से इनविजिबल होते देखा है किंग!
आह!
...फिर मैंने हवा में लहराते देखा उस मेज को...
??
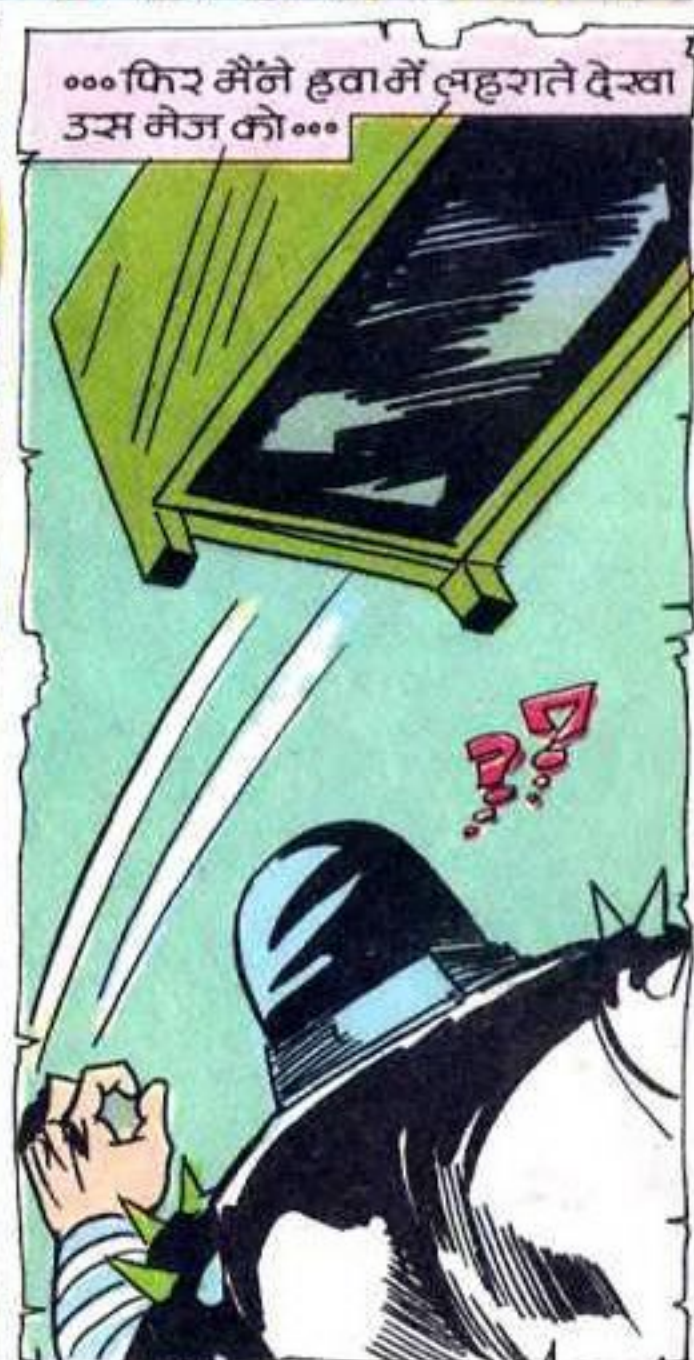
जो भड़ाक से मुझसे आ टकराई —
भड़ाक
फिर मुझे खुलता दिखाई दिया एक "गुप्त" दरवाजा —
फिर एक पल बाद ही गूं
वह धमाका जिसने
परखच्चे उड़ा दिये स्टा
लैब के —
अनार से फूट रहे थे किलर किंग के मस्तिष्क में टटोल की सारी बात सुनकर —
इनविजिबल मैन के रूप में मंत्री धर्मेश तिवारी पर आक्रमण कर के प्रोफेसर श्रीकांत वर्मा ने ये साबित कर दिखाया है कि वह जिन्दा है।...
... मुझे उसके जिन्दा होने का फायदा उठाना है...
... और मेरा यह हाल कर दिया।

••और ये कैसे होगा ये अच्छी तरह जानता हूं मैं।
फिर वह तेजी से अपने दुर्दांत किलरों को कुछ निर्देश देता चला गया—
अपनी मंजिल की तरफ बढ़ता नागराज—
अचानक चौंक पड़ा—
वह लड़की अन्धाधुंध क्यों भाग रही है।••• क्या खतरा है उसे?
"खतरा" भी दिखा नागराज को—
ये अग्नि गोला तुम्हें ज्यादा दूर नहीं भागने देगा छोकरी!
सजग हो उठी नागराज़ की छठी इन्द्री, लहराया वह—

इधर भय नाचा उस सुन्दरी के चेहरे पर —
उफ! अब गई मेरी जान!
सचमुच जान से गई थी वह कोमलांगी अगर — अगर उससे ना आ लिपटती वह नागरस्सी —
जो थमी थी नागराज के हाथ में —
AT YOUR SERVICE MA'M!
तभी —
लाइटर के हाथ से उसका शिकार छीन-कर तुमने तो अपनी मौत बुला ही ली रे नागराज!
धड़ाक से गिरा नागराज —

और फटाक से उछला —
उफ! ये छलांग ना लगाता तो निश्चित थी मौत।
लेकिन मौत तो अभी भी सिर पर ही खड़ी थी —
तुम्हारे शरीर की आज राख बने ही बने नागराज!
उससे पहले ही मैं तुम्हारा कीमा बना दूंगा।
आश्चर्यजनक रूप से खम्बे से कैद होकर रह गया लाइटर —
किन्तु शीघ्र ही वह आजाद हुआ अद्भुत तरीके से —
हा-हा-हा! आग को भी कोई कैद कर सका है भला।
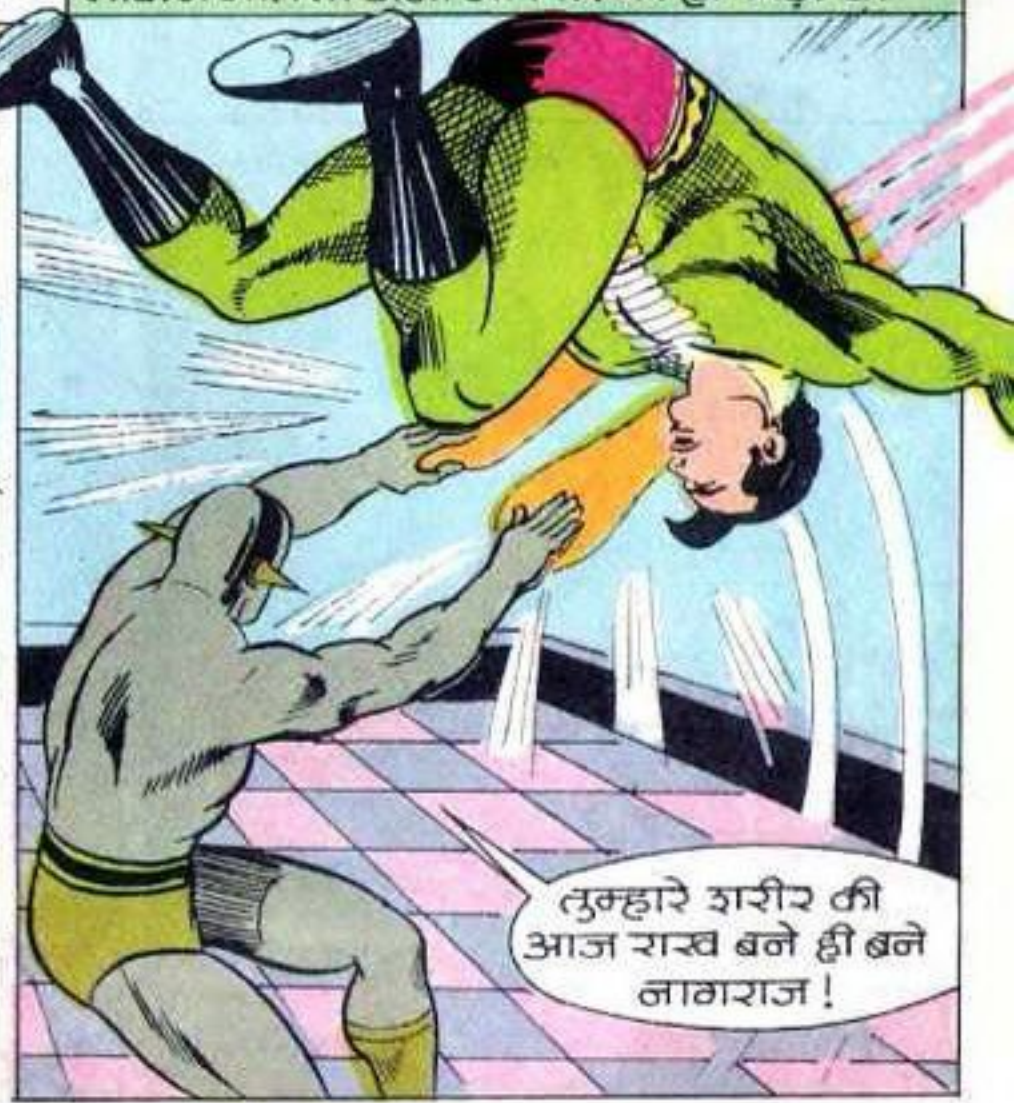
उफ! इसने अपनी आग से जला डाला सर्प सैनिकों को।
नागराज ने आग से बचने का किया शानदार उपाय—
सर्प-सैनिकों का आश्चर्यजनक सुरक्षा-कवच था वह—

और अब ऐसे ही तुम भी जलोगे।
ओह!

आग से बुरी तरह घिर गया नागराज—
बचना होगा इस आग से।

जो उसे पल भर में आग से बाहर निकाल लाया—

आग से बाहर आकर सर्प गोले से बाहर निकला नागराज--
सर्प सैनिकों ने आज मेरी जिन्दा चिता जलने से बचा लिया
अचानक--
कितनी भी कोशिश कर ले नागराज! आज मरना तुम्हें हर हाल में है।
इस छलांग के साथ ही--
...नागराज के सीने पर सवार हो गया लाइटर--
अब तन्दूरी मुर्गे की तरह भुनोगे तुम नागराज!
उबल पड़ी दर्द-नाक चीख नागराज के हलक से--
आ...ई...
अचानक--
?!

लाश बनकर लटका रह गया लाइटर—

काश ! ये जिन्दा रह पाता तो बताता कि ये कौन था और लड़की के पीछे क्यों लगा था?

ORION

CLU

लेकिन मेरे सवाल का जवाब तो यह लड़की भी दे देगी।

लड़की ने बताया—
ये अपने कुछ साथियों के साथ मेरी भाभी और भतीजे का अपहरण करने आया था। उन्हें तो काबू करने में सफल हो गये थे, लेकिन मैं भाग खड़ी हुई।

कौन हो तुम?
मेरा नाम जॉली वर्मा है।

नागराज उस हिरनी सी आंखों की स्वामिनी की बात सुनकर चौंका—
प्रोफेसर श्रीकांत वर्मा मेरे बड़े भइया थे।

"थे" नहीं "हैं"
मैं समझी नहीं नागराज, क्या कहना चाहते हो तुम?

नागराज ने समझाया तो हैरत ही हैरत नाच उठी उन कजरारे नैनों में --
मेरे भइया इनविज़िबलमैन ! हत्यारे ! ••• लेकिन उन्होंने मंत्रीजी की हत्या क्यों की ?
यही जानने तो मैं तुम्हारे पास आ रहा था, लेकिन यहां तो कई रहस्य मुंह बाये खड़े हैं•••
••• कि कौन है लाइटर और उसके साथी जिन्होंने तुम्हारी भाभी और भतीजे का अपहरण किया ?
नागिन सी फुफकार निकली कोमल कंठ से --
उनका अपहरण करने वाले जो भी हैं, मैं उन्हें छोड़ूंगी नहीं।
नागराज तुम्हारे साथ है जॉली!
भारत - नेपाल बॉर्डर --
जहां आज तैनात था पुलिस-कर्मियों का झुण्ड का झुण्ड --

बारीकी से जांच-पड़ताल की जा रही थी शहर में प्रवेश करने वाले प्रत्येक वाहनों की —
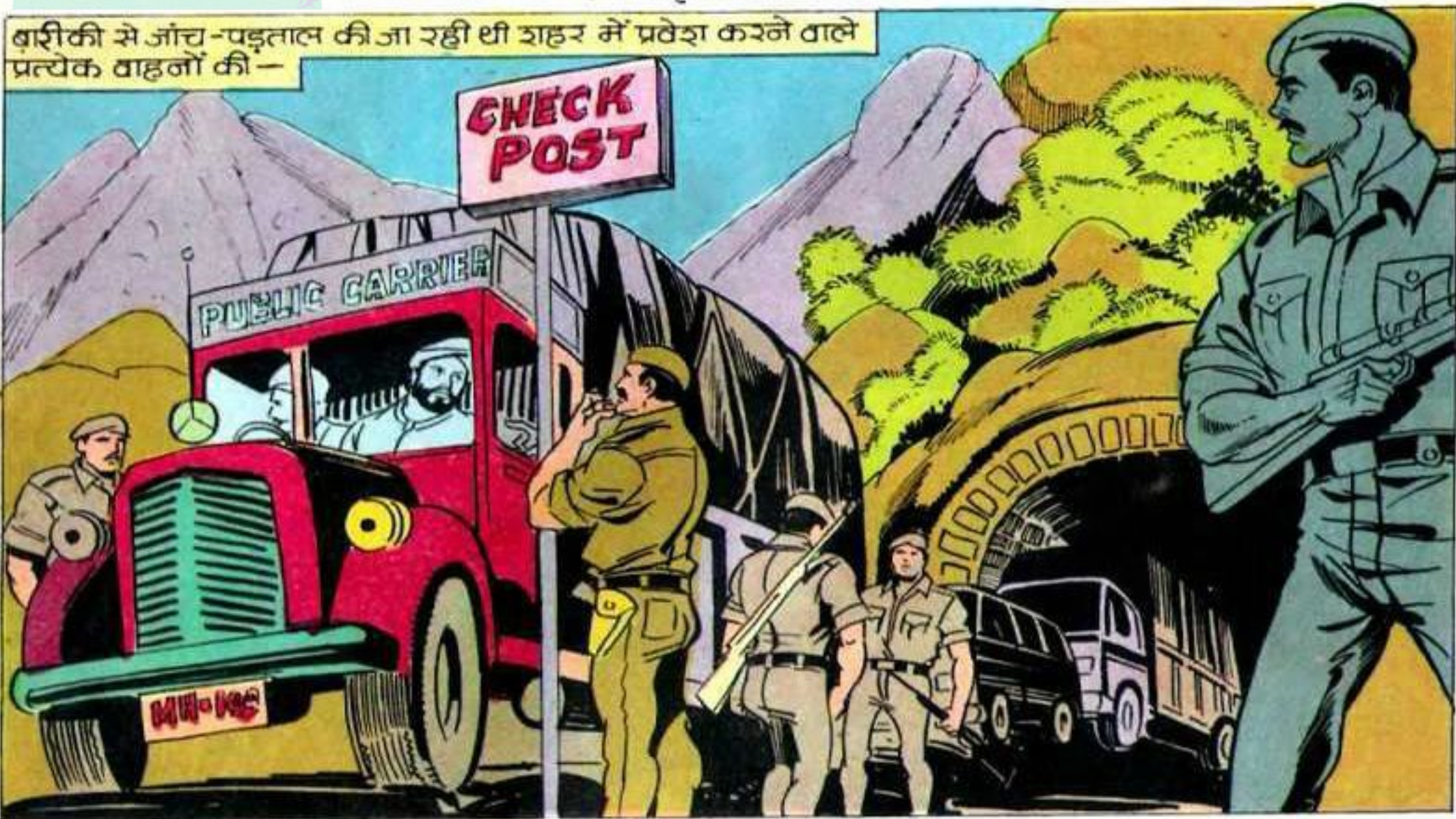
CHECK POST

PUBLIC CARRIER

सचमुच "कुछ" जरूर था--
लेकिन उसका किसी को पता नहीं चला—
सिर्फ अहसास हुआ।... भयानक अहसास-- ... ..जिसके होने में बहुत देर हो गई थी ... क्योंकि...
भड़ाक
...मौत बनकर पुलिस-कर्मियों के सिर से गुजर चुका था वह "कुछ"--
वाह! सिपाहियों को कुचल कर इतना बड़ा ट्रक लेकर हम भारत में आ गये और किसी को हमारी "हवा" भी नहीं लगी।
अब भारत में धड़ल्ले से बिकेगी इस अदृश्य ट्रक में भरी अदृश्य स्मैक।
अदृश्य ट्रक में लदी अदृश्य स्मैक—

खुले आम अदृश्य रूप से बिकने लगी—

··· और खुलेआम ही अदृश्य रूप से पीजाने लगी—

भारत में तेजी से फैलने लगा वह अदृश्य जहर।

चीन की राजधानी पेईचिंग का चूकिंग हॉल—

जहां आयोजित किया गया था राष्ट्रमंडल देशों का सम्मेलन—
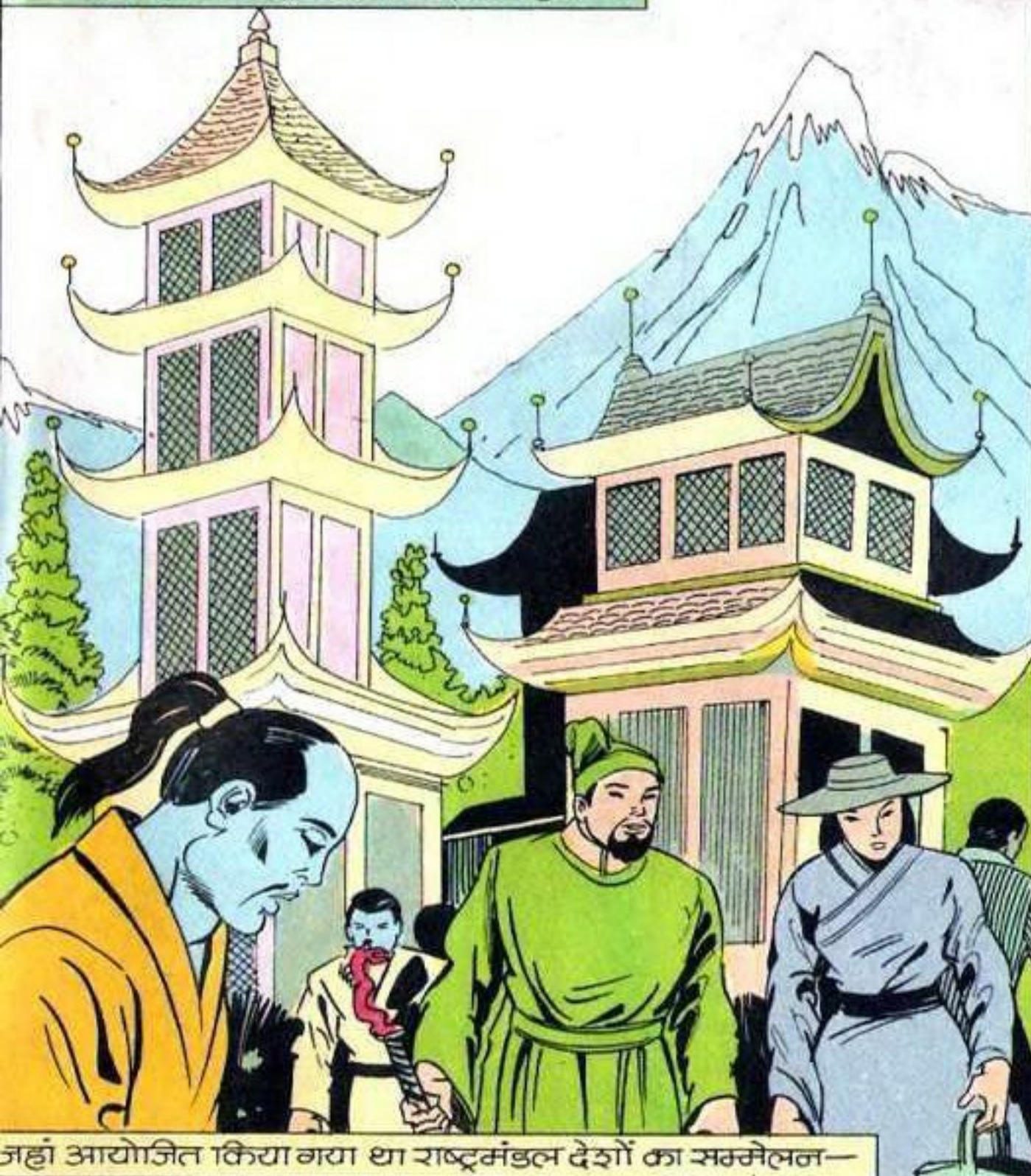
तभी तो सुरक्षाव्यवस्था का इतना तगड़ा इन्तजाम किया गया था—

लेकिन क्या करे कोई तब —

...जब कोई इस तरह आये —
...और कर दे वार —
खचाक
आं
और ना दे किसी को चीखने का भी मौका —
खचाक
हैरान और परेशान थे सतर्कता की प्रतिमूर्ति समझे जाने वाले चीनी पुलिसकर्मी —
किसने किया ये, यहां तो कोई दिखाई ही नहीं दे रहा?
हवा का झोंका सा घुस गया चूकिंग हॉल में —

और बाहर भी आ गया —

अपना काम मैंने कर दिया! बीस सैकिंड बाद वह अदृश्य बम अपना काम कर देगा।

ठीक बीस सैकिण्ड बाद —

धड़ाम

गूंजा वह धमाका...

...जिसने गूंज कर कर दिया "शान्त" कई देशों के सैकड़ों-हजारों कर्णधारों को —

ऐसा ही कुछ हुआ जापान की राजधानी टोकियो में भी —

और ठीक ऐसा ही हुआ —

मिस्र —

इंग्लैण्ड —
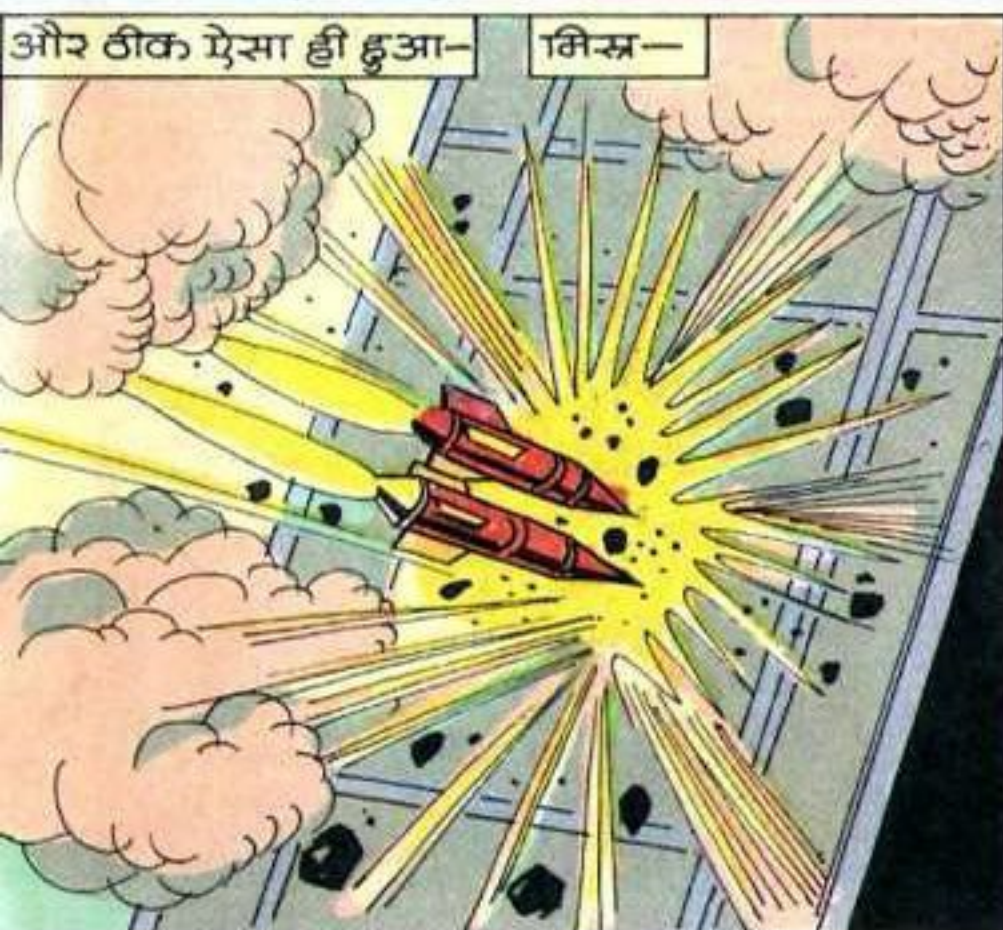
..और विश्व के अन्य देशों में भी—
नवभारत टाइम्स
फ्रांस जर्मनी और रूस में भी अदृश्य हत्यारों का प्रकोप
THE PLANT
INVISIBLE KILLERS TERROR
Shingar
BULL DOG
मद्रास का विशाल अन्नामलाई स्टेडियम—
जिसमें मौजूद थे हजारों उत्साही दर्शक—
होते भी क्यों ना विश्व का सबसे अधिक रोमांचक खेल W.W.F. का मुकाबला जो होने जा रहा था यहां—
BULL DOG
शानदार और खतरनाक WRESTLER बुलडॉग और हॉगमैन—— जिनकी हार-जीत पर लगे हुए थे लाखों-करोड़ों के दांव—

तभी तो धक-धक कर रहे थे "कुछ दिल"
ये मुकाबला बुलडॉग जीत गया तो हमारे करोड़ों रूपये मारे जायेंगे जी।
हमने कहा ना मिस्टर पुत्तन, कि मुकाबला हॉगमैन जीतेगा तो हॉगमैन ही जीतेगा। उसे जिताने के लिए हमने तुमसे ही नहीं हजारों 'कस्टमरों' से एडवांस लिया है।
लेकिन ये होगा कैसे जी?
मुकाबला शुरू होने दो। अपने आप पता चल जायेगा।
बुलडॉग ने किया फ्लाईंग एलबो ड्राप का शानदार प्रदर्शन—
CHALLENGE

ये था हॉगमैन का गोरिल्ला स्लैम (GORILLA SLAM)
रिंग के जर्रे-जर्रे को हिला दिया धड़ाम से गिरे बुलडॉग के भारी शरीर ने—
धड़ाम
फिर उठने की लाख कोशिश करने के बाद भी उठ नहीं पाया वह—
अरे, ये मुझे किसने पकड़ लिया? ...उफ!
क्रूर मुस्कान खेल गई हॉगमैन के भद्दे होंठों पर बुलडाग की छटपटाहट देखकर—
मैं जानता हूं क्या हुआ है बुलडॉग को, लेकिन वह कभी नहीं जान पायेगा क्योंकि उससे पहले ही...
...निकल जायेंगे उसके प्राण।
BULL DOG
हवा में उछला हागमैन
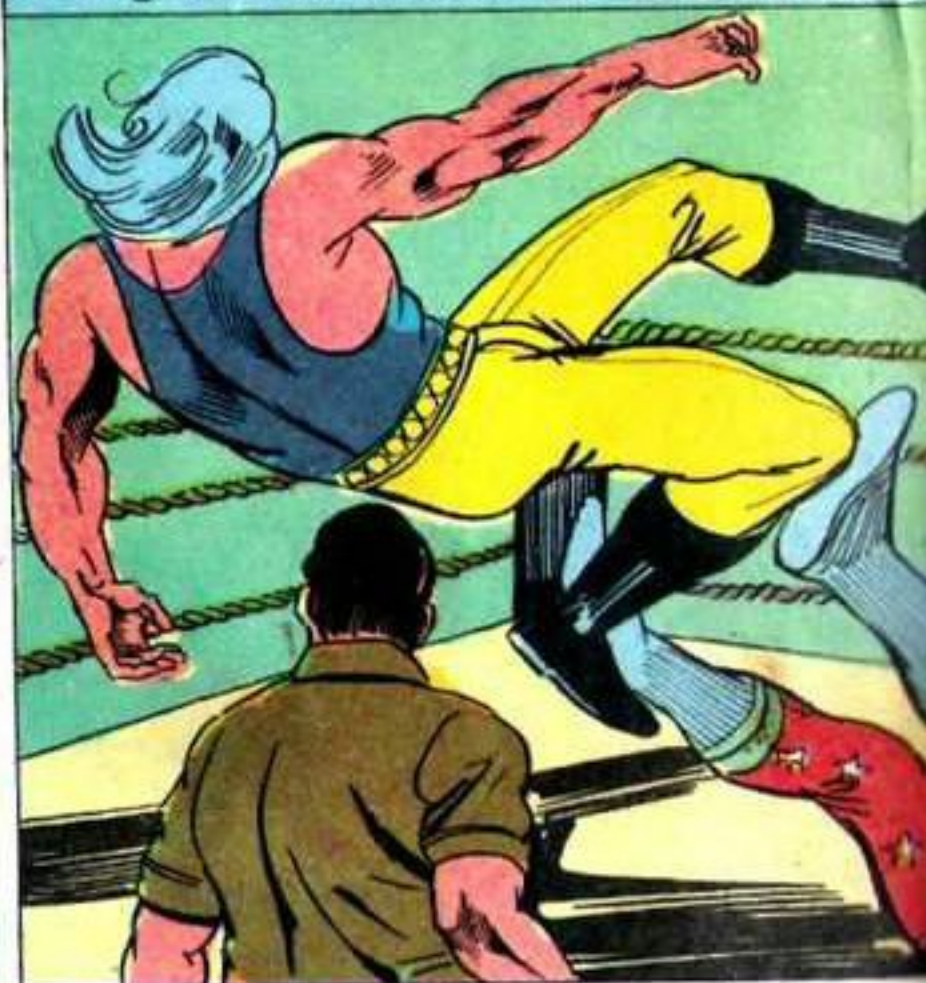
...र उछला ही रह गया ...
ढ़ झों म
... क्योंकि आ पहुंचा था नागों से बना वह गोला ...
...र आ पहुंचा
WWF
MANIA
हैरान दर्शकों के सामने नागराज ने किया वह हैरतअंगेज रहस्योद्घाटन —
यह मुकाबला धोखे से जीतने की कोशिश की जा रही है, क्योंकि अकेले बुलडॉग से लड़ रहे हैं कई फाइटर ...
... एक स्पष्ट रूप में और कई अदृश्य रूप में।
बस इतना ही बोल पाया नागराज —
इस रहस्य को खोल-कर तुमने अपनी मौत बुला ली नागराज!

औंधे मुंह गिरा नागराज—
उसके सम्भलने से पहले ही उछला हॉगमैन—
तुम जैसों का तो "लेग ड्राप" के एक ही वार में कचूमर निकल जायेगा।
सर्प सा सरक गया नागरा
अगर ये मेरे ऊपर गिर ग
होता तो मेरी एक आध हड्
चटक जाती।
ठीक तभी—
तुम्हारे इस गुब्बारे से फूले शरीर की सारी हवा निकाल दूंगी मैं।
इस बार जॉली उछली तो दो मजबूत हाथों ने हवा में ही लपक लिया उसे—
ओफ्फ
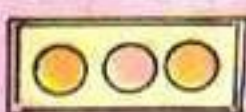
र उछाल दिया—
...अब गई तू जिन्दगी से छोकरी!
ऐसा तब होगा ना जब नागराज होने देगा।
नागों के बिछौने पर गिरी जॉली—
वाह, नागराज का जवाब नहीं।
उत्साह से उछल पड़े दर्शक—
WWF MANIA
नागराज और W.W.F. फाइटर अब आयेगा मजा।
असली मजा।
टेन टेन टणेन।

बेहद सतर्क नजर आने लगा था नागराज —
तीन वर्ल्ड रेसलर फाइटर जिनमें दो अदृश्य और एक दिख रहा है। लड़ाई के दौरान इनसे मेरा ध्यान न बंटे इसलिए मुझे इनसे लड़नी होगी ...
BLIND FIGHT
जिसके लिए मुझे चाहिए यह कपड़ा।
और —
अब तीनों मेरी आंखों से ओझल हैं ... अब मुझे इस्तेमाल करनी है अपनी सारी स्नेक सैन्स।
बुलडॉग की बनियान झपट ली नागराज ने —

अपने अंदाज की तरह ही सटीक था नागराज का वार भी—

खच

हवा में सैकड़ों कलाबाजियां खाकर आ खड़ा हुआ वह नागों का राजा —
हाथी सा चिंघाड़ता नागराज पर झपटा दूसरा अदृश्य फाइटर-
नागों की बारिश सी कर दी नागराज ने आवाज की दिशा में—
ये चीख ही तुम्हें ले डूबेगी प्यारे!
अगले पल —
सांपों का बुत सा बनकर खड़ा था वह फाइटर जो कुछ क्षणों पहले अदृश्य था —

दौड़ी आई नागराज को बधाई देने जॉली-

YOU ARE GREAT NAGRAJ!

अटके-अटके से स्वर निकले उसके हलक से—

कि...
लर....
किंग...
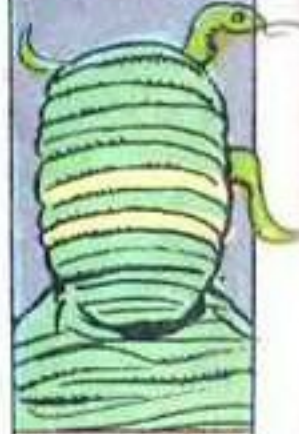
बस इतना ही बोल पाया वह—

फैक्स स्क्रीन पर उभरा वह चेहरा—

एक एसाइनमेन्ट बुक की है किंग! अमेरिकी गृहमंत्री इण्डिया पहुंच रहे हैं। उनकी हत्या कर दी जाये तो हमें पचास लाख अमेरिकी डालर मिल सकते हैं।

पचास लाख अमेरिकी डालर!
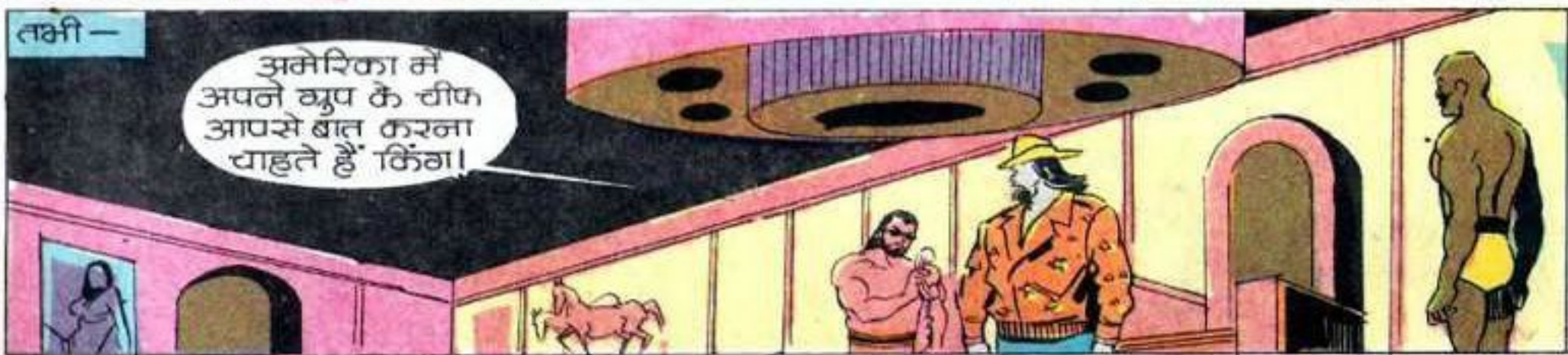
लालच से हजार वॉट के बल्ब की भांति चमक रही थीं किलर किंग की आँखें —
इतनी रकम के लिए तो किंग भगवान की भी हत्या करने को राजी हो जाये।
राजनगर इन्टरनेशनल एयरपोर्ट —
आपका स्वागत है मिस्टर हार्ज बुश!
THANKS
AIRLINES
COME THIS WAY SIR
सुरक्षा कर्मी कार की तरफ लेकर बढ़े अमेरिकी मेहमान को —
ठीक तभी —
छनछना उठी शीशे की दीवार —
छनाक
और छनछना उठे सैकड़ों मास्तिष्क —
कौन आया है अन्दर?
अदृश्य हत्यारे!

ठीक पहचाना तुमने। मौत मिलेगी तुम्हें हमें पहचानने का इनाम।

तनी दो अदृश्य गनें—

??

लेकिन गरज न पाईं—

मेरे लिए ना ये गनें अदृश्य हैं और...

...और ना तुम, क्योंकि मैंने पहन रखे हैं स्पेशल इन्फ्रारेड शीशे वाले चश्मे।

लेकिन इसके बावजूद भी मैं तुम्हें अदृश्य नहीं रहने दूंगा।

PAINT

रंग से नहाते चले गये दोनों—

अब किसी के लिए भी अदृश्य नहीं थे वे दोनों जिन्होंने घेर लिया था नागराज को—

अपने एक ही वार में इसे जमीन चटा दूंगा मैं।

तुम्हारा शरीर फाड़ डालूंगा मैं अपने पंजों से।

एक साथ हरकत में आये दोनों —
घातक हैं दोनों के वार! उफ!
एक को सर्प-रस्सी से रोकता हूं ताकि दूसरे से आसानी से भिड़ सकूं।
उन्होंने चाकू से काट डाला उन सर्पों को —
लहराकर आया नागराज —
धड़ाक
जिसने खील-खील करके बिखेर डाली उसकी खोपड़ी —
LUGGAGE VAN
जबरदस्त थी नागराज की वह किक —

इतने में भागकर पास ही खड़ी "लगेज वैन" में सवार हो गया दूसरा—
अब बचकर भागना होगा यहां से।


तूफान सी भागी वैन के आगे आ खड़ा हुआ नागराज—
अब मरेगा नागराज मेरे हाथों से।
TOYOTA


देखने वाले कांप उठे दहशत से—
आगे से नहीं हटा नागराज तो मारा जायेगा।
LUGGAGE CARRIER
हटो नागराज! हटो!


नागराज को ना हटना था सो ना हटा—
भड़ाक


सर्रर्र से उसके ऊपर से गुजर गई भारी-भरकम वैन—
RBG AIRWAYS


देखने वालों की आंखें आश्चर्य की अधिकता से फट सी पड़ीं—
क्योंकि नागराज गायब हो चुका था उनकी नजरों के सामने से।

वैन को उड़नखटोला सा उड़ाकर शिकारो टॉवर पहुंचा वह —
Shikaro TOWERS
मैंने नागराज को मार डाला यह जानकर किंग तो कंधे पर उठा लेगा मुझे।
उससे पहले यह सर्प तुम्हें इस दुनिया से उठा देगा।
"मौत" ने चीखने का भी तो मौका नहीं दिया बेचारे को —
फोस्स
शिकारो टावर! तो ये ही है किलर आर्गेनाइजेशन का हैडक्वार्टर
तब —
खलबली मच जायेगी घूमती दुनिया में नागराज को देख-कर।
घूमती दुनिया में नहीं दूसरी दुनिया में पहुंचोगे तुम नागराज।
एक झटके से टूटी नागरस्सी •••

और —
सफर तो मौत का था वह —
लेकिन वह भी था नागों का शहंशाह। सर्पसम्राट...
...नागराज!
ठीक तभी —
सर्प जाल को काटते चले गये बारिश के समान बरसे चाकू —
और नागराज को भी काट डालते वे चाकू अगर —
टोपू के चाकू तुम्हारे शरीर में सैकड़ों सूराख बनाकर ही रुकेंगे।
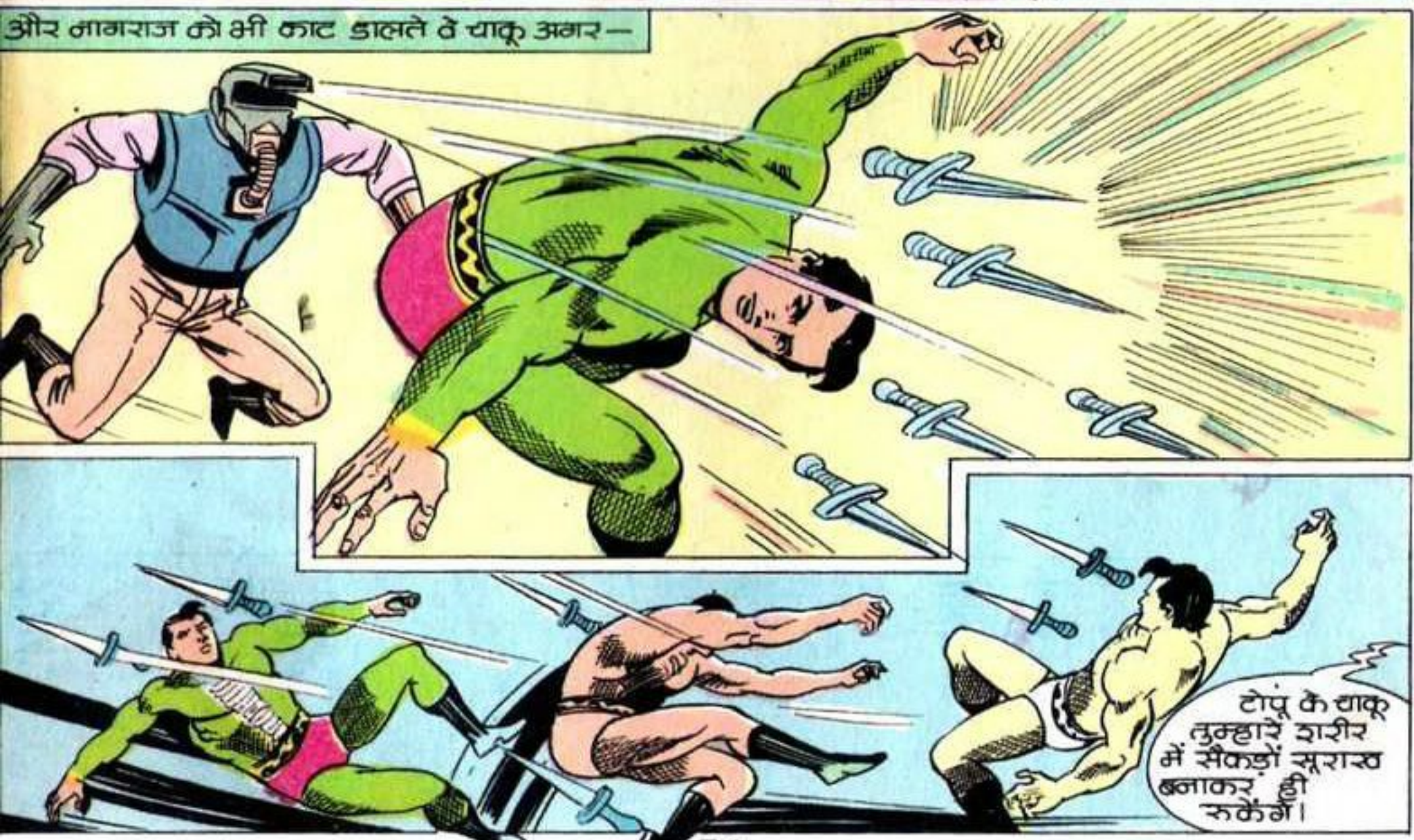
तुम्हारा सामना नागराज...
... से है टोपू ...
... और ये बात तुम्हें मैं नहीं तुम्हारे चाकू ...
... ही बताएंगे!
नागराज द्वारा फेंके गये चाकू
टोपू के शरीर में डेरा जमाते चले गये
फिर नागराज ने एक पल भी नहीं गंवाया घूमती दुनिया की तरफ बढ़ने के लिए इस अद्भुत तरीके को अपनाने में—
घूमती दुनिया के काफी निकट पहुंच चुका था नागराज उस समय जब वहां पहुंची जॉली—
लगेज वैन का पीछा करके बड़ी मुश्किल से यहां पहुंच पाई हूं।

नागराज तो अपने तरीके से ऊपर पहुंच चुका है, लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए मुझे किसी रास्ते की खोज करनी होगी।
इधर नागराज पहुंच चुका था ऊपर—
अब मेरा लक्ष्य है वह दुनिया!
घूमती दुनिया की तरफ बढ़ते नागराज के कदमों को रोक लिया तलवारू ने—
नागराज! तलवारू से बच पाओगे क्या?
??
...बताओ ना!
उफ! सही समय पर बचा वरना गई थी गर्दन।
वार पर वार करता चला गया तलवारू—

और जब नागराज ने किया एक ही वार —
भड़ाक
तब —
हो गया लम्बलेट!
चिन्ता की खेती लहलहा उठी थी किलर किंग के चेहरे पर —
नागराज अगर इसी तेजी से किलरों को खत्म करता रहा तो ज्यादा देर नहीं लगेगी उसे मुझ तक पहुंचने में।
तभी —
एक अच्छी खबर है किंग!
क्या?
उछल पड़ा किलर किंग सुनकर वह अच्छी खबर —
वाह! बहुत शानदार काम किया है तुमने, अब देखता हूं नागराज कैसे नहीं रुकता।
फिर —
??
जॉली हमारी कैद में है नागराज! तुम्हारी कोई भी हरकत उसकी मौत का कारण बन सकती है।

मेरी वजह से आंच भी नहीं आनी चाहिए जॉली पर
तुरन्त ही जकड़ लिया गया नागराज—
ओफ!
और कुछ पलों बाद ही—
जॉली!
नागराज!
अपने शरीर में वास करते सर्प सैनिकों को बाहर निकलने का आदेश दे नागराज! आज तुम्हारे सर्प मेरे काम आयेंगे।
नागराज के सर्प सैनिकों का क्या करना चाहता था वह?
किलर किंग अपनी दुनिया में तुम्हारा स्वागत करता है नागराज!

उफ! इतना घिनौना उपयोग—
देखा नागराज! अपने सर्प-सैनिकों का शानदार उपयोग!
उफ
ओह!
अब तुम दोनों के साथ ये सब भी सीधा मौत के मुंह में जायेंगे।
ON
दबा वह लीवर...
और अगले ही क्षण--
घर्रर्र
घर्रर्र
घर्रर्र

मैंने तुम्हें टुकड़ों में बांट डालने की कसम खाई थी नागराज, जो आज पूरी हो जायेगी। हा हा हा।
उफ! कटर पल-प्रतिपल हमारी तरफ बढ़ते चले आ रहे हैं। निश्चित मौत है ये हमारी।


ठीक तभी नागराज के शरीर से निकलकर सौडांगी लिपटती चली गई कटरों की छड़ों से—
नागराज
सौडांगी!
मेरी लाश गिरने के बाद ही नागराज तक पहुंचेंगे ये कटर।


अट्टहास कर उठा किलर किंग—
हा हा हा। मैं जानता था तू नागराज की मदद को जरूर आयेगी नागिन, तभी मैंने ऐसा इन्तजाम किया है कि तू इन कटरों को रोक नहीं पाये।


तेरी लाश गिराकर ही सही। ये मौत तो नागराज तक पहुंचे ही पहुंचे।

सचमुच पूरी शक्ति लगाने के बाद भी सौडांगी कुछ ना कर पायी--
अबSSs
अब--
बस अब खत्म नागराज और उसका किस्सा।
OFF
ON
लेकिन पूरा सफर तय करने से पहले ही--
रुक गये कटर!
कैसे?
हैरत से फट सी गईं किलर किंग की आँखें-- दहाड़ उठा किलर किंग--
प्रोफेसर वर्मा तुम...। तुमने प्रयोगशाला से अदृश्य रूप में यहां आकर बचाया नागराज को।
हां, कमीने! मैंने ही बचाया है नागराज को। नागराज जैसे मसीहा को मरते नहीं देख सकता था मैं।
प्रोफेसर! जानते हो इस गुस्ताखी की क्या सजा दे सकता हूं मैं तुम्हें?
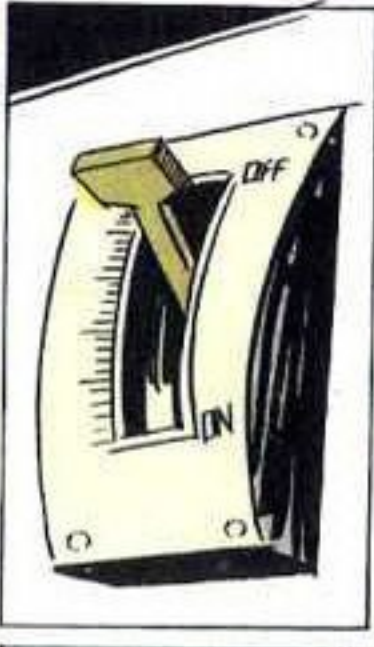
हां, जानता हूं! मेरी बीवी और बच्चे को मार डालेगा ना तू! मार डाल! मार डाल उन्हें ...
नागराज जैसे मानवता के रक्षकों के लिए अपने बीवी-बच्चों को कुर्बान करने के लिए तैयार हूं मैं!
खत्म कर डालो इस कमीने प्रोफेसर को!
झपटे बहुत से किलर प्रोफेसर श्रीकांत वर्मा की तरफ!
एक पल बाद ही आजाद था नागराज—
धन्यवाद सौडांगी!
इधर लपकी सौडांगी नागराज के सर्प बंधनों पर—
ये तो मेरा फर्ज था नागराज!
फिर सौडांगी वापस नागराज में समा गई—

इधर नागराज ने उछाल दिये सर्पों के गुच्छे के गुच्छे प्रोफेसर की तरफ बढ़ते-किलरों की तरफ —
मौत बनकर टूट पड़े जो किलरों पर —
नागराज ने सर्पसैनिकों को वापस बुलाया तो आजाद हो गई जॉली भी —
तुम अपनी भाभी और भतीजे को तलाश करो मैं किलर किंग और उसके किलरों को देखता हूं।
तुरन्त ही एक ओर लपकी जॉली —
गिरने लगी किलरों की लाशों पर लाशें —
आज यह पाप की दुनिया तबाह होकर रहेगी।
अपनी दुनिया को तबाह होता देख कांप उठा किलर किंग —
उफ! नहीं! नागराज को रोकने के लिए इस्तेमाल करना होगा इनविजिबल किलरों का।
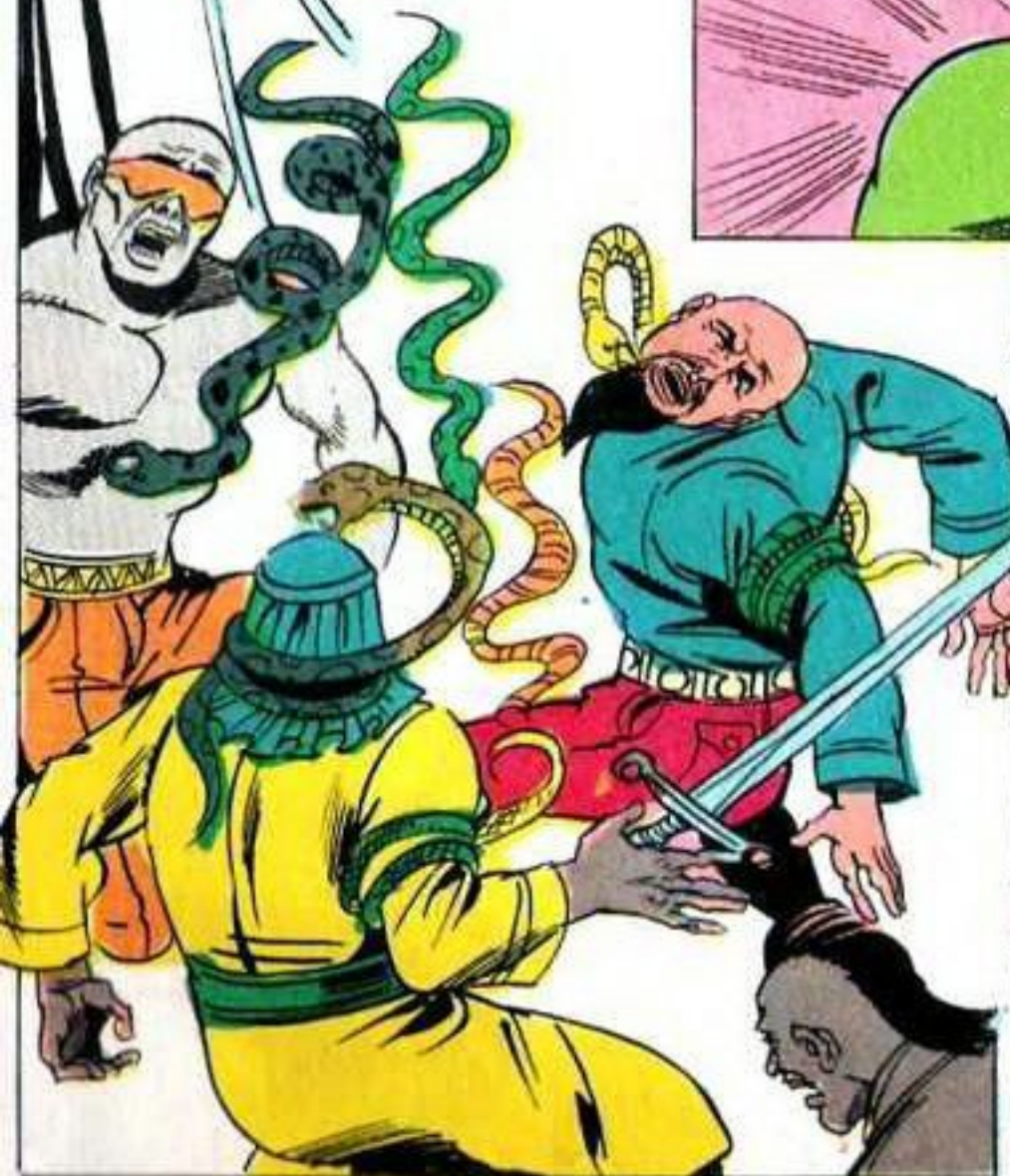
एक पल बाद ही नागराज को घेरे खड़े थे बहुत से अदृश्य किलर–

हम अदृश्य हैं! हमसे नहीं बच पाओगे तुम।

हमारी गनों से बरसी गोलियां मौत बनेगी तुम्हारी।
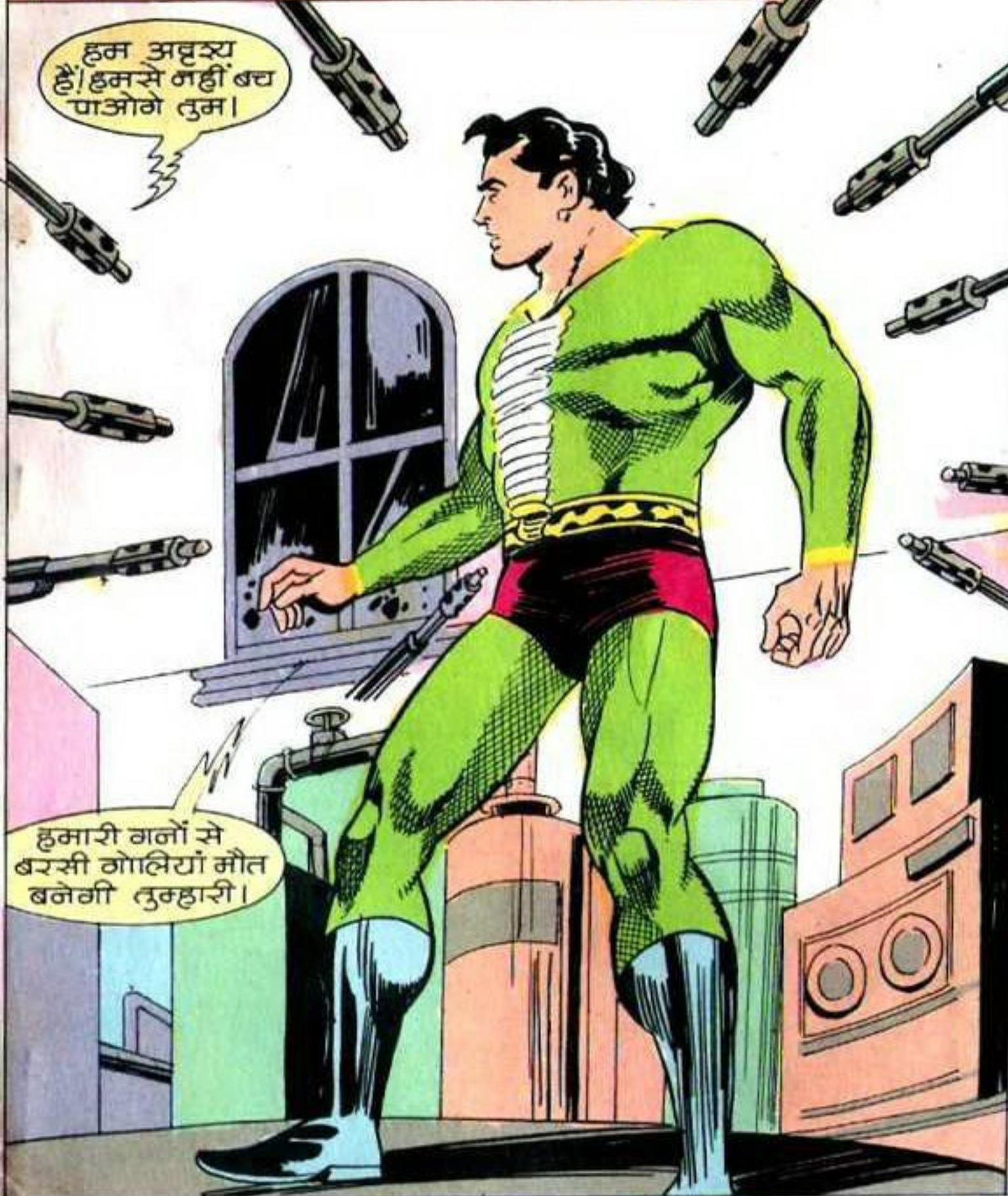
गरजी अदृश्य हाथों में थमी गनें तो रबड़ के बबुए की भांति उछला नागराज–

अपने ही साथियों की गोलियों से मरे कई अदृश्य किलर–

टूटा नागराज का कहर किलरों पर भयंकर रूप से —
भड़ाक
आह
इधर किलर किंग को सम्भाल लिया प्रोफेसर श्रीकांत वर्मा ने —
ठीक तुम्हारे किलरों जैसा तुम्हारा भी हाल होगा कमीने !
तान दी प्रोफेसर श्रीकांत वर्मा ने किलर किंग पर गन और —
बता कमीने ! कहां हैं मेरी बीवी और बच्चा जिनके बल पर तू मुझे आज तक अपने इशारे पर नचाता रहा।
चुप्पी महंगी पड़ी किलर किंग को —
बोल कमीने ! वरना इस बार मैं तेरे सीने में भर दूंगा सैकड़ों गोलियां।
किलर किंग को मिला था एक सुनहरा अवसर —
तुम मुझे नहीं मार सकते, वरना तुम्हारे बीवी बच्चों को मार डालूंगा मैं।
उफ
जड़ होकर रह गया प्रोफेसर —

ठीक तभी —
भाभी और नन्नू को मैं ले आई हूं भैया! खत्म कर डालो इस शैतान को।
अगले पल समा गईं सैंकड़ों गोलियां किलर किंग के जिस्म में —
तड़ तड़ तड़
आ ऽ ऽ ऽ
एक पल के लिए गैण्डे सा डकराया वह —
और फिर हमेशा के लिए शान्त हो गया — इसी के साथ हुआ खात्मा वर्ल्ड आर्गेनाईजेशन ऑफ किलर फोर्स का —
गले मिले सभी बिछड़े हुए —
भैय्या!
पापा!
स्वामी!
पलटा नागराज की तरफ प्रोफेसर श्रीकांत वर्मा —
रक्षा मंत्री धर्मेश तिवारी की हत्या मैंने इसलिए की नागराज कि वह भेड़ की खाल में भेड़िया था। मेरा मित्र था वो इसीलिए अपना आविष्कार पूरा होते ही सबसे पहले मैंने उसे बताया था...
...लेकिन उसने मेरी हत्या करवाकर मेरे आविष्कार को हथियाने की कोशिश की। ताकि वह उस आविष्कार को विदेशों में बेचकर अरबों डालर कमा सके।...
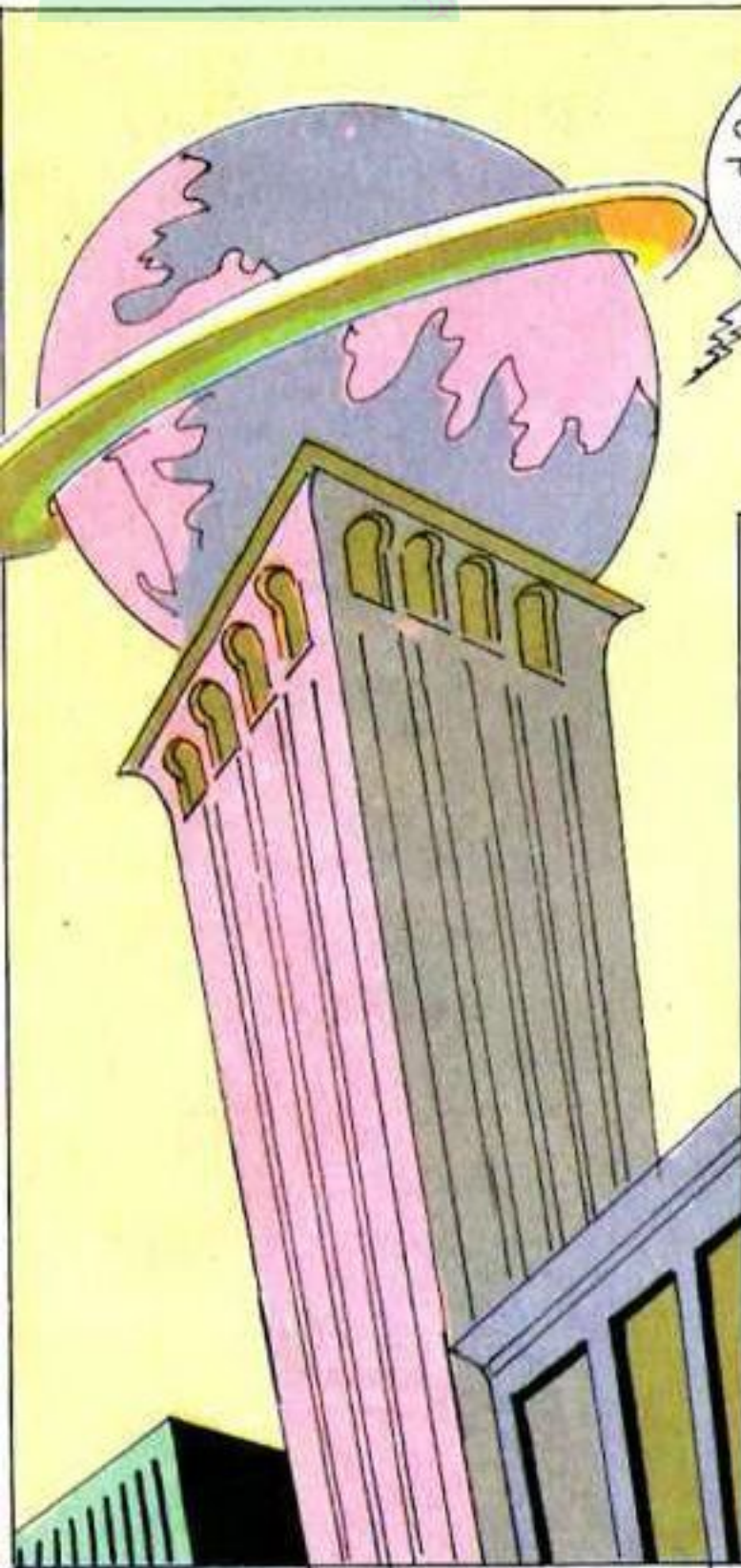
amaan.cooldude18
...और किलर किंग का साथ देने की मेरी मजबूरी तुम जानते ही हो। अपने परिवार को बचाने के लिए मुझे उसके लिए अपने आविष्कार की ईजाद दुबारा करनी पड़ी...
...इसके लिए मुझे खेद है नागराज!
मुझे तुमसे सहानुभूति है प्रोफेसर, लेकिन कानून की नजरों में तुम दोषी हो, और उसकी सजा तुम्हें भुगतनी ही होगी।
नागराज ने पुलिस बुलवा ली जिसने, वहां पहुंचते ही पूरी "धुंधली दुनिया" को अपने कब्जे में ले लिया—
POLICE
अपने आविष्कार की बदौलत मैं सदा के लिए अदृश्य होकर रह गया हूं नागराज, लेकिन इस रूप में मैं किसी दिन तुम्हारे काम अवश्य आऊंगा।
POLICE
पुलिस पार्टी के वहां से रवाना होने के साथ ही नागराज भी चल पड़ा अपने उस सफर पर जो विश्व से अपराध खत्म होने के साथ खत्म होना था—
लेकिन क्या कभी खत्म हो सकेगा नागराज का सफर?
समाप्त